मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 7 अंक 225
सोमवार, 03 मार्च 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

ड्रग मुक्त भारत बनाना हमारा संकल्पः अमित शाह

नई दिल्ली, 02 मार्च। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि रविवार को नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए सरकार सख्त है। मोदी सरकार पैसे के लालच में युवाओं को नशे की लत में धकेलने वाले नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई में कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

एक्स पर एक पोस्ट में अमित शाह ने लिखा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ड्रग-मुक्त भारत बनाने के लिए निर्मम और सावधानीपूर्वक जांच के साथ नशीली दवाओं के खतरे का मुकाबला करना जारी रखने का संकल्प लेती है। नीचे से ऊपर और ऊपर से नीचे की रणनीति के साथ अचूक जांच के परिणामस्वरूप भारत भर में 12 अलग-अलग मामलों में 29 ड्रग तस्करों को अदालतों ने दोषी ठहराया है। मोदी सरकार की नशीली दवाओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का पालन करते हुए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है।

केंद्रीय गृह मंत्री के ट्वीट के बाद एक प्रेस विज्ञप्ति में गृह मंत्रालय ने कहा कि शाह के मार्गदर्शन में एनसीबी 2047 तक नशा मुक्त भारत के प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। विज्ञप्ति में सरकार की ओर से की गई कार्रवाइयों की जानकारी दी गई है। इसमें उन 12 मामलों का ब्योरा दिया गया है, जिनमें अदालत ने सजा सुनाई। इसमें 2019 में गुजरात के अहमदाबाद में साबरमती रेलवे स्टेशन पर 23.859 किलोग्राम चरस के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया और 14 साल जेल की सजा सुनाई गई।

इसके बाद जुलाई 2022 में मध्य प्रदेश के मंदसौर में एनसीबी ने शहडोल में 123.080 किलो गांजा जब्त किया। मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया और प्रत्येक को 2 लाख रुपये के जुमार्ने के साथ 12 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई। चंडीगढ़ जोन में एनसीबी के अधिकारियों ने लुधियाना के डीएचएल एक्सप्रेस में 438 ग्राम अफीम से भरे दो हॉकी स्टिक वाले पार्सल को रोका था। इसमें गिरफ्तार दो आरोपियों को अफीम को कनाडा ले जाने के प्रयास में उनकी भूमिका के लिए पंजाब की एक अदालत ने तीन साल कैद की सजा सुनाई थी।

विज्ञप्ति में कहा गया कि एनसीबी ने 2021 में चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन पर 390 ग्राम चरस रखने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। जांच पूरी होने पर एक विशेष अदालत ने उसे छह महीने जेल की सजा सुनाई। जून 2021 में एनसीबी ने कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर जिम्बाब्वे की एक महिला को रोका। उसके पास से 2.910 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई और जब्त की गई। उसे एनार्कुलम की अदालत ने 11 साल जेल की सजा सुनाई।

वहीं जनवरी 2018 में 450 ग्राम चरस के साथ देहरादून में एक व्यक्ति की गिरफ्तारी हुई। उसे एक साल जेल की सजा सुनाई गई। 2021 में दो आरोपियों के कब्जे से 1.950 किलोग्राम चरस जब्त की गई। मामले में जनवरी 2025 में अदालत ने आरोपी को 10 साल जेल की सजा सुनाई। फरवरी 2021 में एनसीबी ने तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में 681.8 किलोग्राम गांजा जब्त किया। आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उन्हें अदालत ने 10 साल की जेल की सजा सुनाई। सितंबर 2021 में एनसीबी ने मध्य प्रदेश के सिवनी में 152.665 किलोग्राम गांजा जब्त किया। चार लोगों को गिरफ्तार किया गया और विशेष अदालत ने 15 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। जुलाई 2020 में पश्चिम बंगाल के प्लासी और कृष्णानगर के बीच एक ट्रक से 1,301 किलोग्राम गांजा जब्त किया। दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से एक को 15 साल के कारावास की सजा सुनाई गई।

कार की टक्कर से दो बाइक पर सवार चार लोगों की मौत

बीकानेर, 02 मार्च। राजस्थान के बीकानेर जिले में रविवार तड़के तेज रफ्तार कार ने दो मोटरसाइकिलों को टक्कर मार दी जिससे दो पहिया वाहनों पर सवार चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा नाल थाना क्षेत्र के जैसलमेर रोड पर उस समय हुआ जब ये चारों दोस्त दो बाइक से एक शादी समारोह से वापस लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि तेज रफ्तार कार ने दोनों मोटरसाइकिलों को टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार ओमप्रकाश (29), राहुल (25), श्यामलाल (18) और गोवर्धन (30) की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। उन्होंने बताया कि कार चालक की तलाश की जा रही है।

मस्जिद में बिना अनुमति लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करने के आरोप में मौलवी पर मुकदमा

पीलीभीत, 02 मार्च। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के जहानाबाद थाना क्षेत्र में एक मस्जिद में प्रशासन की अनुमति के बिना लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करने के आरोप में एक मौलवी पर मुकदमा दर्ज किया गया। जहानाबाद के थानाध्यक्ष मनोज कुमार मिश्रा ने बताया कि थाने में तैनात उपनिरीक्षक वरुण की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि शनिवार दोपहर काजीटोला स्थित एक मस्जिद में नमाज के दौरान लाउडस्पीकर का इस्तेमाल किया जा रहा था।

मिश्रा ने कहा कि मौलवी अशफाक को 25 फरवरी को ही उच्चतम न्यायालय और शासन के आदेशों से अवगत करा दिया गया था, जिनके मुताबिक सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना लाउडस्पीकर या पब्लिक एड्रेस सिस्टम का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। मिश्रा ने बताया कि अशफाक 28 फरवरी की शाम को भी नमाज एवं अजान के दौरान लाउडस्पीकर का इस्तेमाल कर रहे थे और मांगने पर वह कोई अनुमति पत्र नहीं दिखा सके थे।

उन्होंने कहा कि नियम के उल्लंघन के आरोप में मौलवी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 (सरकारी आदेशों की अवहेलना), 270 (सार्वजनिक उपद्रव) और 293 (किसी वैध प्राधिकरण की ओर से जारी निषेधाज्ञा के बावजूद सार्वजनिक उपद्रव जारी रखना) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। मिश्रा के अनुसार, मौजूदा समय में माध्यमिक शिक्षा परिषद और अन्य बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाएं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि लाउडस्पीकर की तेज आवाज से परीक्षार्थियों और गंभीर रूप से बीमार लोगों को परेशानी होती है।

संजय राउत ने उपमुख्यमंत्री शिंदे पर साधा निशाना

मुंबई, 02 मार्च। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत ने प्रयागराज में हाल में संपन्न हुए महाकुंभ में उद्धव ठाकरे के स्नान नहीं करने पर सवाल उठाने को लेकर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर रविवार को निशाना साधा। राउत ने संवाददाताओं से बात करते हुए शिंदे की राजनीतिक सूझबूझ की भी आलोचना की और कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उपमुख्यमंत्री को सवाल पूछने का प्रशिक्षण देना चाहिए।

राज्यसभा सदस्य ने दावा किया कि शिंदे की गलतियों के कारण उद्धव ठाकरे से ज्यादा भाजपा और उसके नेता बेनकाब हो रहे हैं। शिंदे नीत शिवसेना राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ महायुति का हिस्सा है। महाकुंभ 13 जनवरी से 26 फरवरी तक उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित किया गया था।महाकुंभ में शामिल न होने के लिए शिंदे द्वारा शिवसेना (उबाठा) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर निशाना साधे जाने को लेकर राउत ने कहा, शिंदे को यह सवाल सबसे पहले आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक प्रमुख) प्रमुख मोहन भागवत से पूछना चाहिए। अगर भागवत एक हिंदू होने के नाते कुंभ में डुबकी लगाने नहीं गए, तो फिर उद्धव ठाकरे को क्यों निशाना बनाया जा रहा है?

राउत ने यह भी कहा कि उन्होंने आरएसएस संस्थापक डॉ. के बी हेडगेवार या संघ के पूर्व प्रमुखों एम एस गोलवलकर, बालासाहेब देवरस, रज्जू भैया और के. सुदर्शन के किसी भी कुंभ में शामिल होने की तस्वीरें कभी नहीं देखीं। उन्होंने कहा कि यहां तक कि (हिंदुत्व विचारक) विनायक दामोदर सावरकर भी कभी (कुंभ मेले) में नहीं गए।

राउत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, क्या मोदी प्रधानमंत्री बनने से पहले कभी किसी कुंभ में गए थे? यह केवल प्रचार का हथकंडा है। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले महीने प्रयागराज में महाकुंभ मेले के दौरान संगम में डुबकी लगाई थी। राउत ने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पिछले महीने महाकुंभ में गए थे, लेकिन उनके कितने कैबिनेट सहयोगी या (भाजपा) विधायक वहां गए। शिवसेना (उबाठा) नेता ने कहा, ऐसे मुद्दों को छोड़ दें।

इस बीच, राउत ने शिवसेना (उबाठा) के मुखपत्र सामना में अपने साप्ताहिक स्तंभ रोकठोक में रविवार को दावा किया कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 22 फरवरी की सुबह पुणे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर मुख्यमंत्री फडणवीस की शिकायत की। उन्होंने दावा किया कि यह बैठक पुणे के कोरेगांव पार्क स्थित एक होटल में हुई और 57 विधायकों के नेता शिंदे को शाह से मिलने के लिए सुबह चार बजे तक जागना पड़ा। राउत ने कहा, उन्होंने (शिंदे ने) शाह से शिकायत की कि नयी सरकार में उन्हें उनका हक नहीं दिया जा रहा और पिछली सरकार में मुख्यमंत्री के तौर पर उनके द्वारा लिए गए सभी निर्णयों को पलटा जा रहा है।

मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटाया

लखनऊ, 02 मार्च। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने बीएसपी में बड़ा बदलाव करते हुए अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया है। रविवार को बीएसपी की अहम बैठक में उन्होंने यह फैसला लिया। मायावती ने पार्टी महासचिव आनंद कुमार और राज्यसभा सांसद रामजी गौतम को नया नेशनल कोआर्डिनेटर बनाया गया है।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि अब मैंने खुद भी यह फैसला लिया है कि मेरे जीते जी व मेरी आखिरी सांस तक भी अब पार्टी में मेरा कोई भी उत्तराधिकारी नहीं होगा। जिस फैसले का पार्टी के लोगों ने दिल से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मेरे लिए पार्टी व मूवमेन्ट पहले है। भाई-बहन व उनके बच्चे तथा अन्य रिश्ते नाते आदि सभी बाद में हैं।

मायावती ने इस बात पर जोर दिया कि उत्तर प्रदेश के बहुजन समाज का विकास न केवल राज्य की प्रगति के लिए बल्कि पूरे देश की उन्नति के लिए जरूरी है। उन्होंने बसपा संस्थापक कांशीराम की जयंती के आगामी समारोहों की योजनाओं की रूपरेखा भी पेश की और उनकी विचारधारा के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

कांशीराम के सिद्धांतों के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि हालांकि उन्होंने कभी भी पार्टी में काम करने वाले परिवार के सदस्यों का विरोध नहीं किया, लेकिन उनका यह स्पष्ट मानना था कि अगर उनमें से कोई भी पार्टी या आंदोलन को नुकसान पहुंचाने के लिए उनके नाम का दुरुपयोग करता है, तो वह उन्हें तुरंत हटा देंगे। इस सिद्धांत के अनुरूप उन्होंने घोषणा की कि अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकालने के बाद उनके दामाद आकाश आनंद को भी पार्टी की सभी जिम्मेदारियों से हटा दिया गया है।

डिप्टी सीएम शिवकुमार ने कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री को जमकर लगाई लताड़

बेंगलुरु, 02 मार्च। 16वें बेंगलुरु अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के उद्घाटन पर कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने साउथ की कन्नड़ फिल्म उद्योग की कम उपस्थिति पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने इस कार्यक्रम में कन्नड़ फिल्म उद्योग के सदस्यों को कड़े शब्दों में संबोधित किया। शिवकुमार ने कहा, ह्यआगे बढ़ते हुए, मैं चाहता हूं कि फिल्म चैंबर और अकादमी के सदस्य इसे चेतावनी या अनुरोध के रूप में लें। यह मेरा कार्यक्रम नहीं है यह आपका कार्यक्रम है। प्रायोजक भीमा ज्वेलरी वहीं बैठी है। क्या केवल 20 लोगों को इस सिनेमा की आवश्यकता है? इस दौरान कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री ने एक सख्त प्रतिक्रिया भी जारी की, जिसमें कहा गया, यदि सरकार शूटिंग की अनुमति नहीं देती है, तो वे फिल्म नहीं बना सकते।

शून्य भेदभाव अभियान मिसाल नहीं, मशाल बनें

-ललित गर्ग

दुनिया में भेदभाव की ऊंची-ऊंची दीवारों पर अमानवीयता, छूआछूत, अन्याय, शोषण, उत्पीड़न के काले अध्याय लिखे हैं, इनके खिलाफ लड़ाई के लिए बहुआयामी, उदार एवं मानवीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो मूल कारणों एवं जड़ों पर प्रहार करते हुए सामाजिक-राजनैतिक मानदंडों को चुनौती दे और पहचान के विभिन्न आयामों में समावेशिता और समानता को बढ़ावा दे। भेदभाव के विभिन्न रूपों के बारे में जागरूकता और समझ को बढ़ावा देकर, हम सभी के लिए एक अधिक न्यायपूर्ण और समतापूर्ण दुनिया बनाने की दिशा में काम कर सकते हैं। इसी उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा प्रत्येक वर्ष 1 मार्च शून्य भेदभाव दिवस मनाया जाता है, जो कोई प्रतीकात्मक उत्सव नहीं है, बल्कि सीमाओं, संस्कृतियों और समुदायों के बीच समानता की एक शक्तिशाली घोषणा है, इसे मिसाल नहीं, मशाल बनाना होगा। यह निष्पक्षता, समानता और सभी के लिए सम्मान के लिए लड़ने की अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ता है। शून्य भेदभाव दिवस-2025 की थीम है हम एक साथ खड़े हैं। इसके द्वारा जातिवाद, रंगवाद, नस्लवाद, भाषावाद आदि विषमता एवं विसंगतिमूलक व्यवस्थाओं एवं सोच की जड़े हिलाई गयी है। दुनियाभर में इस क्रांतिकारी अभियान का मुक्तभाव से स्वागत हो रहा है।

इक्कीसवी सदी का आदमी हवा में उड़ने लगा है, चांद पर चहलकदमी करने लगा है, ग्रह-नक्षत्रों की दुनिया में झांकने लगा है, यंत्र मानव का निर्माण करने लगा है, अपनी अधिकांश समस्याओं का समाधान कम्प्यूटर-कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) से पाने लगा है, लेकिन इंसान इंसान के बीच के भेदभाव को मिटाने की दिशा में अभी भी यथोचित सफलता नहीं मिली है। यही कारण है कि नस्लीय, लैंगिक, जातीय, भाषायी भेदभाव खड़े हैं। नस्लीय भेदभाव एक गहरा मुद्दा बना हुआ है जो अल्पसंख्यक समूहों को प्रभावित करता है। रूढ़िवादिता, पूर्वाग्रह और प्रणालीगत नस्लवाद असमान अवसरों, संसाधनों तक सीमित पहुंच और शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा में व्यापक असमानताओं का बड़ा कारण हैं। इसी तरह लैंगिक पूर्वाग्रह और रूढ़िवादिता भेदभाव को बढ़ावा देती है, जिससे महिलाओं को अक्सर वेतन में अंतर, सीमित करियर उन्नति और सामाजिक अपेक्षाओं का सामना करना पड़ता है जो उन्हें पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित कर देती हैं, जिससे उनकी स्वतंत्रता और क्षमता सीमित हो जाती है। उम्र के आधार पर भेदभाव युवा और बुजुर्ग दोनों को प्रभावित करता है। विभिन्न अध्ययनों और रिपोर्टों से वैश्विक स्तर पर संस्कृतियों एवं समाजों में भेदभाव के बारे में चिंताजनक आंकड़े मिलते है। भेदभाव के दुष्परिणाम व्यक्तिगत अनुभवों से कहीं आगे तक फैले हुए हैं, जो पूरे समुदाय को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। भेदभाव सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को बढ़ावा देता है, जिससे पीढ़ियों तक नुकसान का चक्र चलता रहता है। जैसे-जैसे शून्य भेदभाव दिवस आंदोलन ने गति पकड़ी, भेदभाव के खिलाफ लड़ाई में मील के पत्थर हासिल होते गए, जिससे अधिक समावेशी भविष्य की उम्मीद जगी है।

महात्मा गांधी ने भारत में भेदभाव, ऊंच-नीच, छूआछूत की अमानवीता को न केवल धोया, बल्कि एक अधिक समानता एवं समतापूर्ण आदर्श-समाज व्यवस्था की नींव रखी। अगर गांधी ने अछूतोद्धार आन्दोलन नहीं चलाया होता, उनके कल्याण के लिए संघर्ष नहीं किया होता, उनकी बस्ती मे उनके साथ जाकर नहीं रहे होते तो ये हरिजन आज हीन एवं दीन ही बने रहते। जब गांधी के गुजरात का प्रमुख शहर, हीरों का विश्वभर में निर्यात करने वाला सूरत गन्दगी से सड़कर प्लेग से जूझ रहा था, तब देश के सबसे बड़े प्रान्त उत्तर प्रदेश में आन्दोलनकारियों पर गोली चलाई गई। जिसने राजघाट में सोयी उस आत्मा को पीड़ा से भर दिया। गांधी ने एक मुट्ठी भर नमक उठाया और करोड़ों लोगों ने मुट्ठियां तान दी थीं। चर्खे पर खादी का धागा काता और विदेशी कपड़ों की होली हर चौराहे पर जला दी। ह्वकरो या मरोह्न का नारा दिया और कितने ही वकील, डॉक्टर, अध्यापक, व्यापारी अपना पेशा छोड़कर मैदान में कूद पड़े। ऐसा चरित्र आज कहां? उनका व्यक्तित्व सुन्दर चमड़ी का नहीं था, उनकी छवि विदेशी कपड़ों से नहीं थी, उनके विचार आयात किए हुए नहीं थे। एक दुबला, पतला, लंगोटीधारी, जो भारत की धरती के लोगों के हृदय की भाषा बोलता था और इंसान इंसान को बांटने वाली हर दीवार को और हर भेदभाव को मिटाता चला गया। आज तो नेता समस्याओं को सड़ा रहे हैं-- समाधान नहीं दे रहे हैं। लोगों का विश्वास टूट रहा है।

भेदभाव के खिलाफ लड़ाई गांधी जैसे अनेक विश्व व्यक्तित्वों के अथक प्रयासों से प्रेरित हैं, जिनकी न्याय और समानता के प्रति प्रतिबद्धता ने वैश्विक मंच पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने सामाजिक मानदंडों को चुनौती देने, हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए आवाज उठाने और बदलाव को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसी ही एक प्रतिष्ठित हस्ती हैं नेल्सन मंडेला, जिनकी दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद को खत्म करने के लिए आजीवन प्रतिबद्धता उत्पीड़न के खिलाफ लचीलेपन का प्रतीक है। लड़कियों की शिक्षा के लिए निडर योद्धा मलाला यूसुफजई तालिबान द्वारा हत्या के प्रयास से बचने के बाद एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में उभरीं। सभी के लिए शिक्षा के प्रति मलाला के अटूट समर्पण और लैंगिक समानता के लिए उनके अथक प्रयास ने उन्हें 17 साल की उम्र में नोबेल शांति पुरस्कार दिलाया, जिससे वह इतिहास में सबसे कम उम्र की पुरस्कार प्राप्तकताओं में से एक बन गईं। हार्वे मिल्क ने पहले खुले तौर पर समलैंगिक सार्वजनिक अधिकारी के रूप में कैलिफोर्निया में समलैंगिकों के अधिकारों की व्यापक दृश्यता और स्वीकृति का मार्ग प्रशस्त किया। मिल्क की साहसी सक्रियता ने समलैंगिक अधिकार आंदोलन के शुरूआती चरणों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। रूथ बेडर गिन्सबर्ग, एक अग्रणी कानूनी विद्वान और सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश, ने अपना करियर लैंगिक भेदभाव से लड़ने के लिए समर्पित कर दिया। उनके अभूतपूर्व काम और ऐतिहासिक कानूनी फैसलों ने महिलाओं के अधिकारों को गहराई से प्रभावित किया है और कानूनी परिदृश्य को आकार देना जारी रखा है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर के नागरिक अधिकारों की खोज से लेकर मैल्कम एक्स की नस्लीय न्याय की वकालत और एम्मा गोंजालेज की बंदूक हिंसा के खिलाफ सक्रियता से लेकर ग्रेटा थनबर्ग की जलवायु न्याय की लड़ाई तक, प्रत्येक व्यक्ति ने एक स्थायी विरासत छोड़ी है।

शिक्षा और जागरूकता भेदभाव से निपटने की नींव बनाती है, जो समझ को बढ़ावा देने और गहराई से जड़ जमाए हुए पूर्वाग्रहों को खत्म करने में महत्वपूर्ण है। समाज विभिन्न शैक्षिक स्तरों पर समावेशी पाठ्यक्रम को एकीकृत करके रूढ़िवादिता को चुनौती दे सकता है और सहानुभूति को बढ़ावा दे सकता है। भेदभाव से निपटने के लिए कानूनी और नीतिगत विकास महत्वपूर्ण प्रगति के साथ अधिक समावेशी समाज बनाने के लिए वैश्विक प्रतिबद्धता को दशार्ता है। दुनिया भर की सरकारें और संगठन व्यक्तियों को भेदभाव से बचाने के लिए मजबूत कानून की आवश्यकता को महसूस करते हैं। हाल के वर्षों में हाशिए पर पड़े समूहों की सुरक्षा और समान अवसरों को बढ़ावा देने वाले प्रभावशाली कानून की ओर बदलाव देखा गया है। ये कानून विविधता, निष्पक्ष व्यवहार और भेदभाव को बनाए रखने वाली प्रणालीगत बाधाओं को तोड़ने के महत्व पर जोर देते हैं। भेदभाव के खिलाफ प्रगति के बावजूद, एक संतुलित, समानता एवं समतापूर्ण समाज-निर्माण में महत्वपूर्ण चुनौतियाँ बनी हुई हैं। सामाजिक संरचनाओं में पूर्वाग्रह एक बड़ी बाधा हैं, क्योंकि भेदभावपूर्ण प्रथाएँ संस्थाओं में जड़ जमा लेती हैं, जिससे असमानता बनी रहती है। गहरे विश्वासों और सांस्कृतिक मानदंडों में निहित परिवर्तन का प्रतिरोध भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण को खत्म करने के प्रयासों को जटिल बनाता है। इंसान ने भेदभाव की नीति अपनाते हुए संसार बाँट दिया। उसने स्वयं को सर्वोपरि समझते हुए सारी धरती पर अपना अधिकार करना चाहा। उसने समुद्र से जमीन छीनी, जंगलों का सफाया किया और पशु-पक्षियों को बेघर किया। मानव और मानव के बीच में जो भेद की दीवारें खड़ी हैं, उनको ढहाना होगा, और इसके लिए शून्य भेदभाव दिवस जैसे विश्व अभियान को अधिक सशक्त, कार्यकारी एवं सक्रिय करने की आवश्यकता है।

पंजाब सरकार के नशा मुक्त बनाने के खोखले दावे!

अशोक भाटिया

पहले कांग्रेस 2017 में और फिर आम आदमी पार्टी 2022 में नशा मुक्ति के नाम पर राज्य में सत्तारूढ़ हुई परन्तु दोनों दलों की सरकारों के दावे धरातल पर धरे के धराए रह गए। आप पार्टी के संयोजक केजरीवाल ने कहा था कि पिछली बार 2017 के चुनाव में कांग्रेस के नेताओं ने गुटके की कसम खाई थी कि उनकी सरकार बनेगी तो एक महीने के अंदर नशा खत्म कर देंगे, नशा खत्म हुआ? बल्कि बढ़ गया। हमारा युवा या तो कनाडा चला गया या जो बच गया, वह नशे में डूब गया। आज युवा क्राइसिस में है। पांच साल के बाद अब जब दोबारा चुनाव आए हैं, तो इन्होंने मजीठिया के खिलाफ पर्चा कर दिया। एक पर्चा दाखिल करने में पांच साल लग गए। बब्बर शेर की तरह सिद्धू साहब और चन्नी साहब चिल्ला रहे हैं कि हमने पर्चा कर दिया। क्या एक पर्चा खत्म करने से गांवों में नशा खत्म हो गया, ड्रग्स खत्म हो गया। इनका मकसद नशा दूर करना नहीं है, बल्कि इनका मकसद चुनावों में बस वोट बटोरना है।केजरीवाल ने कहा था हर जिले, हल्के और गांव में नशा बेचने वाले बैठे हैं उनको कौन पकड़ेगा? पूरे पंजाब में इतना नशे का स्टॉक पड़ा है, क्या इन्होंने 1 ग्राम भी सीज किया? एक फर्जी पर्चा करके नौटंकी कर रहे हैं, बब्बर शेर बने फिर रहे हैं कि हमने पर्चा कर दिया पर्चा कर दिया। आम आदमी पार्टी की सरकार आएगी तो 6 महीने मांग रहा हूं आपसे, 6 महीने के अंदर पंजाब से नशा खत्म कर देंगे। हमारे साथ कुंवर विजय प्रताप जैसे ईमानदार और जांबाज पुलिस ऑफिसर है, जिनको करना आता है, हमको करना आता है , हमारी नीयत साफ है।

जब कोई रणनीति अपने लक्ष्यों को हासिल करने में विफल हो जाती है तो एक दूरदर्शी एवं साहसी राजनीतिक नेतृत्व को निश्चित रुप से नई रणनीतिक दृष्टिकोण का अनुसरण करना चाहिए जिससे खतरों को कम से कम किया जाए और सफलता की संभावनाएं बढ़ाई जाएं। पंजाब में नशीली दवाओं के प्रकोप की खतरनाक स्थिति का मुकाबला करने के लिए वर्तमान रणनीतियों की उल्लेखनीय कमियों को देखते हुए, राज्य के नए राजनीतिक नेतृत्व से वैसी नई रणनीतियों की उम्मीद की जा रही थी जो केवल राजनीतिक तमाशेबाजी और हड़बड़ी में सुधार के उपायों पर निर्भर न हो। बहरहाल, ऐसा भले ही प्रतीत हो रहा हो कि कैप्टन अमरिन्दर सिंह की पंजाब की नई सरकार सारे सही फैसले कर रही हो, पर राज्य में ड्रग्स की समस्या का समाधान ढूंढने की राह में कई बड़ी बाधाएं खड़ी रही ।

ड्रग की तस्करी और व्यापक रूप से नशे की लत पंजाब की सबसे उल्लेखनीय सामाजिक-राजनीतिक चुनौती बन चुकी है जो कई प्रकार से पूरे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बनती जा रही है। खासकर, ऐसे संवेदनशील सीमावर्ती राज्य में इस समस्या की भयावहता को देखते हुए यह आवश्यक हो जाता है कि इसके खिलाफ एक ऐसी संपूर्ण लड़ाई छेड़ी जाए जिसमें कामयाब होने में अगर कई वर्ष भी लग जाएं तो उसे जारी रखा जाए। नशे की समस्या पिछले कई वर्षों के दौरान और बदतर होती गई है और 2017 के प्रारंभ में पंजाब में हुए विधानसभा चुनावों में यह एक बड़ा मुद्दा था। चुनाव अभियान के दौरान, कांग्रेस पार्टी के तत्कालीन मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार अमरिन्दर सिंह ने सत्ता में आने के चार सप्ताह के भीतर नशे के प्रकोप को खत्म कर देने का वायदा किया था। यह पूरी तरह एक विचित्र वायदा था, इतनी व्यापक एवं गहरी समस्या का एक महीने के भीतर समाधान एक बेहद मुश्किल काम है। बहरहाल, जैसा कि चुनाव के परिणामों ने प्रदर्शित किया, पंजाब के लोगों ने कैप्टन को इस लड़ाई को लड़ने का दायित्व सौंप किया है।

गौरतलब है कि चुनावी वायदे के बाद आज भी पंजाब के गांवों-कस्बों से लेकर बड़े शहरों में नशे का जाल तेजी से फैलता जा रहा है। युवाओं की रगों में नशे का जहर घोला जा रहा है। बड़े शहर नशे के हॉट-स्पॉट बनते जा रहे हैं। बठिंडा, पटियाला, होशियारपुर, अमृतसर और लुधियाना जैसे बड़े शहरों में हालात चिंताजनक हैं। इसका असर प्रदेश की मौजूदा पीढ़ी पर ही नहीं, बल्कि आने वाली पुश्तों पर भी पड़ने लगा है। ड्रग्स के सेवन से महिलाएं बांझपन का शिकार हो रही हैं। पुरुषों पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है।सरकार नशे को खत्म करने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, जबकि जमीनी हकीकत ये है कि पंजाब में औसत हर रोज एक व्यक्ति की ड्रग्स की ओवरडोज के कारण मौत हो रही है। प्रदेश की मौजूदा सरकार ने भी सत्ता संभालते ही दो साल के अंदर ड्रग्स का खात्मा करने का एलान किया था, लेकिन जो हालात आज से दो साल पहले थे, वह जस के तस बने हुए हैं। यह कहने में हर्ज नहीं कि समय के साथ प्रदेश में ड्रग्स का चलन बढ़ा है। पंजाब के बॉर्डर एरिया के गांवों व कस्बों में ही ड्रग्स की मार देखने को मिलती थी, अब बड़े शहरों में भी पुलिस की नाक के नीचे इसका चलन बढ़ता जा रहा है। इस साल एक जनवरी से लेकर 30 जून तक पुलिस ने पूरे पंजाब में ड्रग्स के कुल 4,677 केस दर्ज किए। इन मामलों में पुलिस ने कुल 6,364 आरोपियों की गिरफ्तारी की। इस सबके अलावा पुलिस ने अलग-अलग मामलों में 6 करोड़ 35 लाख 36 हजार 120 रुपये ड्रग मनी भी पकड़ी है।

अब लगातार फजीयत होने के बाद पंजाब सरकार ने ने राज्य को नशा मुक्त घोषित करने के लिए तीन महीने की समय सीमा तय की है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने इसे ₹ऐतिहासिक क्षण बताया है, क्योंकि राज्य सरकार ने नशे के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई है और इस बुराई के खिलाफ अभियान शुरू कर रही है।₹श्री मान ने यह भी कहा कि राज्य सरकार मादक पदार्थों से संबंधित मामलों की शीघ्र सुनवाई सुनिश्चित करने तथा दोषियों को सजा दिलाने के लिए विशेष अदालतें स्थापित करेगी। श्री मान साहब को यह भी पता होना चाहिए कि तीन माह गुजरने में कितना समय लगता है ?

साल 2024 के आंकड़े ही बताते हैं कि राज्य सरकार इस मोर्चे पर कितनी विकराल स्थिति से जूझ रहा था । साल 2024 के अंत के दिनों में पुलिस महानिरीक्षक (मुख्यालय) सुखचैन सिंह गिल ने यह आंकड़े जारी किए।डॉ। सुखचैन सिंह गिल ने बताया कि पुलिस ने साल 2024 में 12255 एफआईआर दर्ज की, जिनमें से 1213 वाणिज्यिक मामलों से संबंधित हैं, और 210 बड़े माफियाओं सहित 8935 नशा तस्करों/सप्लायरों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों ने पूरे राज्य से 1099 किलोग्राम हेरोइन, 991 किलोग्राम अफीम, 414 क्विंटल भुक्की और 2.94 लाख गोलियां/ कैप्सूल/ टीके/ फार्मा ओपिओइड्स की शीशियां बरामद की हैं, साथ ही गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों से 14.73 करोड़ रुपये की ड्रग मनी बरामद की है। आईजीपी के अनुसार पुलिस ने इस साल बड़े तस्करों की 335 करोड़ रुपये की 531 संपत्तियां भी जब्त की हैं।पुलिस टीमों ने ड्रोन के माध्यम से फेंकी गई 185 किलो हेरोइन, 24 पिस्तौल, एक एके-47 राइफल, एक आईईडी और 4.18 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की है। उन्होंने बताया कि इस साल के दौरान 513 ड्रोन देखे गए।

पंजाब भी इस नियम का कोई अपवाद नहीं है कि नशीले पदार्थों की तस्करी ही तस्करी वाले क्षेत्रों में नशे की लत फैलाने में मददगार हो जाती है। हेरोईन उत्पादन करने वाले गोल्डेन क्रेसेंट-पाकिस्तान, अफगानिस्तान एवं ईरान-के साथ पंजाब की समीपता इसे बेहद संवेदनशील बना देती है। पंजाब लंबे समय से तस्करी किए जाने वाले ऐसे रास्ते पर स्थित है जहां अफगानिस्तान से पड़ोसी पाकिस्तान के बरास्ते हेरोईन लाया जाता है और उसके बाद क्षेत्र के बाजारों तक इसे पहुंचाया जाता है। पंजाब जो एक समय भारत के ह्यगेहूं की टोक?ीह्व वाले राज्य के रूप में विख्यात था, आज विभिन्न प्रकार के गैरकानूनी पदार्थों के एक अंतिम गंतव्य के रूप में उभर कर सामने आया है।

पाकिस्तान में स्थित ड्रग सिंडिकेट एवं तस्कर अफगानिस्तान से हेरोईन खरीदते हैं और फिर पंजाब के अमृतसर, तरन तारन, गुरदासपुर, फिरोजपुर एवं फाजिल्का जिलों तथा पड़ोसी राज्यों के कुछ जिलों के जरिये भारत में इसकी तस्करी करते हैं। खासकर, अमृतसर क्षेत्र अधिकांश तस्करों का पसंदीदा स्थान है। अभी हाल तक, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) या पंजाब पुलिस रोजाना पंजाब के कुछ सीमावर्ती जिलों में भारी मात्रा में अफीम की भूसी और अफीम बरामद किया करते थे। तस्करों को भारत-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ती चौकसी के कारण अपने तरीकों में बदलाव लाना पड़ा है। इसमें सीमा के पाकिस्तानी तरफ से भारत वाले हिस्से में प्रतीक्षा कर रहे तस्करों के लिए ड्रग के पैकेट फेंकने, बिजली के तारों वाली चारदीवारी के आर-पार प्लास्टिक की खोखली पाइप का इस्तेमाल करने और नशीले पदार्थों की आपूर्ति करने के लिए छिछली नदी को पार करने जैसे तरीके शामिल है। पिछले कुछ महीनों के दौरान नशीले पदार्थों की जब्ती से भी संकेत प्राप्त होता है कि ड्रग माफिया ने जम्मू कश्मीर एवं राजस्थान जैसे अन्य सीमावर्ती राज्यों का भी इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। बहरहाल, हालात उतने आसान हैं नहीं, जितने वे नजर आते हैं। पंजाब एवं पाकिस्तान में भी ड्रग माफिया बड़े समन्वित, संगठित एवं पेशेवर तरीके से अपने काम को अंजाम देते हैं। मौसम, भौगोलिक स्थिति, खड़ी फसलों, ह्यचंद्रमा के दिनोंह्व, परिवहन के तरीकों, जमीन पर निशान, सुरक्षा बलों की तैनाती एवं उनकी आवाजाही, निगरानी प्रौद्योगिकी की उपलब्धता और तस्करी के लिए प्रयुक्त उनके स्थानीय संपर्क और उनसे सहानुभूति रखने वाले लोग, तस्करी के लिए उपयुक्त जगह तथा समय का चुनाव जैसे कई कारकों के सम्मिश्रण का एक सटीक विश्लेषण और व्यापक अध्ययन किया जाता है। किसी भी संभावित मुठभेड़ से बचने के लिए तारीख एवं समय पर अंतिम फैसला लेते समय, तस्कर इसकी रिहर्सल भी करते हैं, खासकर, पुलिस नाका (एक अस्थायी पुलिस बंदोबस्त) के स्थान एवं सीमा सुरक्षा बल की चौकसी पद्धतियों का गहराई से अध्ययन करते हैं। चूंकि अलग अलग क्षेत्रों के हालात भिन्न होते हैं, उसी के अनुसार उनके कार्य करने का तरीका भी अलग अलग होता है जिसके कारण सीमा सुरक्षा बल एवं पुलिस के लिए तस्करी के तरीकों का पता लगाना काफी चुनौतीपूर्ण हो जाता है। ड्रग माफिया सभी बिन्दुओं का एक पूरा डाटाबेस तैयार रखते हैं। वे पूरे इलाके की छानबीन कर लेते हैं और अपने काम को सफलतापूर्वक अंजाम देते हैं। उन्हें इलाके की भी पूरी जानकारी होती है जिसकी बदौलत पाकिस्तान के मोबाइल नेटवर्कों तक उनकी पहुंच भी आसानी से हो जाती है। नेटवर्क से अच्छी तरह जुड़े ड्रग माफिया सीमा पार से नशीली दवाओं की तस्करी के लिए अत्याधुनिक तरीके इस्तेमाल करते हैं, पुलिस एवं खुफिया निगरानी से दूर रहते करते हैं। भारतीय और पाकिस्तानी तस्कर बारी–बारी से भारतीय और पाकिस्तानी सिम कार्डों का इस्तेमाल करते हैं, जिसके कारण खुफिया एवं सुरक्षा एजेन्सियों के लिए उनका पता लगाना मुश्किल हो जाता है।

न्यायालयों में अनसुलझे मामलों की बढ़ती हुई संख्या

-प्रियंका सौरभ

देश की न्याय व्यवस्था कई महत्त्वपूर्ण मुद्दों से जूझ रही है, जिसका मुख्य कारण भारतीय अदालतों में अभी भी 5 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। यह लंबित मामले न केवल न्याय में देरी करते हैं, बल्कि कानूनी व्यवस्था में लोगों का भरोसा भी कम करते हैं। इनमें से कई मामले एक दशक से अधिक समय से लंबित हैं, जिनमें से लगभग 50 लाख मामले दस साल से भी अधिक समय पहले शुरू किए गए थे। नीति आयोग ने सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया है, चेतावनी दी है कि मामले के समाधान की वर्तमान गति से, केवल निचली अदालतों में लंबित मामलों को हल करने में 300 साल से अधिक लग सकते हैं। भारत में, ₹लंबित मामलों₹ का अर्थ कानूनी ढांचे के भीतर अनसुलझे मामलों की भारी संख्या है। स्थिति विशेष रूप से निचले न्यायिक स्तरों पर गंभीर है, जहाँ अधिकांश मामले दायर किए जाते हैं और न्यायाधीशों की कमी से निपटान नहीं होता है। लंबित मामलों की बढ़ती संख्या भारतीय न्याय वितरण प्रणाली के लिए एक बड़ी चुनौती है। लंबी कानूनी प्रक्रियाएँ ₹न्याय में देरी न्याय से वंचित होने के समान है₹ कहावत को चरितार्थ करती हैं, क्योंकि वे जनता के विश्वास को खत्म करती हैं और व्यक्तियों को समय पर न्याय से वंचित करती हैं। बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि विवाद जैसे मामलों के लंबे समाधान ने सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ दिया है, जिसमें लगभग 70 साल लग गए। अदालतों में मामलों की विशाल मात्रा अदालती दक्षता में बाधा डालती है और लंबित मामलों की संख्या में वृद्धि करती है, जिससे त्वरित न्याय लगभग असंभव हो जाता है। सर्वोच्च न्यायालय में 82, 000 से अधिक और उच्च न्यायालयों में 62 लाख से अधिक मामले लंबित होने के कारण, निर्णयों में बड़ी देरी आम बात है। मुकदमेबाजी का वित्तीय बोझ आर्थिक विकास को भी बाधित करता है, क्योंकि यह संसाधनों को खत्म करता है और व्यक्तियों और व्यवसायों को कानूनी कार्यवाही करने से हतोत्साहित करता है। भारत में न्यायिक देरी की अनुमानित लागत दो मिलियन डॉलर से अधिक है। न्याय प्रणाली पर लंबित मामलों का प्रभाव गहरा और दूरगामी है। लंबे समय तक चलने वाले मामले कानूनी प्रणाली में जनता के विश्वास को खत्म कर सकते हैं, जिससे इसकी प्रभावशीलता के बारे में निराशा और संदेह पैदा होता है, जिससे कुछ लोग वैकल्पिक विवाद समाधान विधियों की तलाश करने लगते हैं। देरी का यह चक्र समस्या को और बढ़ाता है। न्यायिक देरी में योगदान देने वाला एक महत्त्वपूर्ण कारक जनसंख्या के लिए न्यायाधीशों का अपर्याप्त अनुपात है। भारत में, विकसित देशों की तुलना में कानूनी प्रणाली बहुत धीमी गति से काम करती है, जहाँ हर दस लाख निवासियों के लिए केवल 21 न्यायाधीश उपलब्ध हैं। सरकार सबसे बड़ी वादी है, जो सभी लंबित मामलों में से लगभग आधे मामलों के लिए ज़िम्मेदार है, जिनमें से कई तुच्छ मुद्दों पर अपील में बंधे हैं। सीमित कोर्ट रूम स्पेस और पुरानी केस मैनेजमेंट प्रथाओं जैसी चुनौतियों से लंबी अदालती कार्यवाही और भी जटिल हो जाती है। दिल्ली उच्च न्यायालय मध्यस्थता केंद्र ने 15 वर्षों में 200, 000 से अधिक मामलों को सफलतापूर्वक हल किया है, जो वैकल्पिक विवाद समाधान विधियों की प्रभावशीलता को उजागर करता है। दुर्भाग्य से, वकील और वादी दोनों अक्सर स्थगन का दुरुपयोग करते हैं, जिसके कारण मामले सालों या दशकों तक टल जाते हैं। मैन्युअल दस्तावेजीकरण और पुरानी कानूनी प्रक्रियाओं पर निर्भरता मामलों के समय पर समाधान में बाधा डालती है, जिससे अनावश्यक नौकरशाही बाधाएँ पैदा होती हैं। लंबित मामलों के बैकलॉग को कम करने के लिए, यह सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण है कि कार्यवाही निरंतर हो। इसमें बढ़ती आबादी को समायोजित करने के लिए न्यायालय स्टाफिंग और बुनियादी ढांचे में निवेश करना शामिल है। न्यायालयों की संख्या बढ़ाने और पर्याप्त सहायक कर्मचारियों को नियुक्त करने से प्रक्रिया में तेजी लाने में मदद मिल सकती है। मामलों को अधिक तेजी से ट्रैक करने और आगे बढ़ाने के लिए प्रभावी केस प्रबंधन रणनीतियों को लागू करना भी महत्त्वपूर्ण है। उचित रूप से प्रबंधित मामलों के समय पर समाधान तक पहुँचने की अधिक संभावना होती है। कानूनी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कानूनों की नियमित समीक्षा और संशोधन अनिश्चितता को कम करने और कानूनी कार्यवाही में तेजी लाने के लिए आवश्यक है।

वाणिज्यिक विवादों के त्वरित समाधान की सुविधा के लिए, वाणिज्यिक न्यायालय अधिनियम 2015 स्थगन पर सख्त नियम लागू करता है। मुकदमेबाजी से पहले मध्यस्थता को अनिवार्य करके वैकल्पिक विवाद समाधान को बढ़ावा देने से अदालतों पर बोझ कम करने में मदद मिल सकती है। मध्यस्थता अधिनियम (2023) वाणिज्यिक और नागरिक विवादों में मध्यस्थता को अनिवार्य बनाकर इसका समर्थन करता है, जिसका उद्देश्य अदालती लंबित मामलों को कम करना है। एक मजबूत लोकतंत्र न्याय के त्वरित और प्रभावी वितरण पर निर्भर करता है। न्यायिक देरी से निपटने के लिए, न्यायिक बुनियादी ढांचे को बढ़ाना, मौजूदा रिक्तियों को भरना, ऐआई-संचालित केस प्रबंधन को अपनाना और वैकल्पिक विवाद समाधान को बढ़ावा देना आवश्यक है। न्यायिक जवाबदेही को दूरदर्शी नीति ढांचे के साथ जोड़कर, भारत की न्याय प्रणाली अधिक निष्पक्ष, सुलभ और समय पर बन सकती है। यह आशा की जाती है कि सभी हितधारक-न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, सरकारें और कानूनी पेशेवर-न्याय वितरण प्रणाली को मजबूत करने और कानून के शासन को बनाए रखने के लिए अपनी भूमिका निभाएंगे। भारतीय अदालतों में लंबित मामलों से निपटने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है जिसमें तकनीकी प्रगति के साथ-साथ प्रशासनिक, कानूनी और बुनियादी ढाँचे में सुधार शामिल हो। हालाँकि प्रगति हुई है, लेकिन कानूनी प्रणाली में विश्वास बहाल करने और विवादों का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास महत्त्वपूर्ण हैं। भारतीय न्यायपालिका मूल कारणों से निपट सकती है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अभिनव समाधान लागू कर सकती है।

भारतीय न्यायालयों में अनसुलझे मामलों का मुद्दा एक बड़ी चुनौती है, जिसने न्याय प्रणाली को गहराई से प्रभावित किया है। लंबित मामलों की बढ़ती संख्या न्याय प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई वर्तमान प्रणाली की प्रभावशीलता और दक्षता पर गंभीर सवाल उठाती है। ऐसी देरी का कानूनी ढांचे पर हानिकारक और व्यापक प्रभाव पड़ता है। लंबी कानूनी प्रक्रियाएँ न्याय की पहुँच में बाधा डाल सकती हैं, जिससे व्यक्तियों और व्यवसायों दोनों को नुकसान होता है। जैसे-जैसे मामले लंबित होते हैं, कानूनी प्रणाली में जनता का भरोसा कम होता जाता है, जिससे इसकी विश्वसनीयता को लेकर निराशा और संदेह पैदा होता है। नतीजतन, लोग विवादों को निपटाने के लिए वैकल्पिक साधनों की ओर रुख कर सकते हैं। यह लंबित मामला देरी का एक चक्र बनाता है, जिससे अदालतों के लिए नए मामलों को निपटाना मुश्किल हो जाता है, जिसके परिणामस्वरूप अंततः अनसुलझे मामलों की संख्या लगातार बढ़ती जाती है।

भारतीय राजनीति में बुद्धिमान नहीं 'वफादार ' होना जरूरी

-तनवीर जाफरी

-तनवीर जाफरी

इन दिनों कांग्रेस पार्टी के नेता,पूर्व केंद्रीय मंत्री व तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस पार्टी के सांसद शशि थरूर को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। शशि थरूर संयुक्त राष्ट्र की नौकरी छोड़कर 2009 में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए थे। उसके बाद वे लगातार चार बार केरल की तिरुवनंतपुरम सीट से लोकसभा सांसद निर्वाचित होते रहे हैं। पिछले दिनों उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस के मलयालम पॉडकास्ट से बात चीत के दौरान यह कह दिया की यदि कांग्रेस पार्टी को उनकी सेवाओं की जरूरत नहीं है तो उनके पास 'विकल्प' हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि ₹अगर पार्टी उनका इस्तेमाल करना चाहती है तो वे पार्टी के लिए उपलब्ध रहेंगे। अन्यथा मेरे पास करने के लिए मेरी चीजें हैं। आपको नहीं सोचना चाहिए कि मेरे पास दूसरे विकल्प नहीं हैं।' उन्होंने कहा कि ₹मेरे पास मेरी किताबें, भाषण, और पूरी दुनिया से बातचीत करने के लिए निमंत्रण हैं। ₹ थरूर के इस बयान से इन अटकलों को बल मिलना स्वाभाविक था कि क्या अब थरूर भी कांग्रेस को अलविदा कह सकते हैं। इस खबर के साथ ही मीडिया में इस बात को लेकर भी अटकलें लगाई जाने लगीं कि यदि थरूर कांग्रेस पार्टी छोड़ते हैं तो क्या वे भी भारतीय जनता पार्टी की शरण में जायेंगे ? खासकर पूर्व में उनके द्वारा भाजपा सरकार की कुछ नीतियों की तारीफ किये जाने से इन कयासों को अधिक बल मिला। जैसे कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे के समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से उनकी मुलाकात की प्रशंसा की। उन्होंने मोदी के अमेरिका दौरे को काफी अच्छा बताया। इसी तरह थरूर ने एफ-35 लड़ाकू विमान को खरीदने में भारत की दिलचस्पी की तारीफ यह कहकर की कि ये विमान काफी कीमती है। जबकि उन्हीं की पार्टी के नेता व कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भारत सरकार द्वारा इस विमान को खरीदने में दिलचस्पी की आलोचना की। सुरजेवाला का कहना था, कि जिस ऋ35 को एलन मस्क 'कबाड़' बता चुके हैं उसे नरेंद्र मोदी खरीदने पर क्यों तुले हुए हैं। इसी तरह थरूर ने सोशल मीडिया एक्स पर केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटेन के व्यापार मंत्री जोनाथन रेनल्ड्स के साथ एक सेल्फी पोस्ट करते हुये लिखा था कि ₹लंबे समय से रुकी हुई एफटीए वार्ता फिर से शुरू हो गई है, जो स्वागत योग्य है। ₹ बेशक सरकार के प्रति इस तरह के अप्रत्याशित वक्तव्य भाजपा के प्रति थरूर के सकारात्मक होने का संकेत दे रहे थे। परन्तु जब थरूर से भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्वयं को एक 'क्लासिक उदारवादी' बताते हुये कहा कि - मैं सांप्रदायिकता का विरोध करता हूं और आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक न्याय में विश्वास करता हूं। उन्होंने कहा, ' हर पार्टी का अपना विश्वास और इतिहास होता है। अगर आप किसी दूसरी पार्टी के विश्वास को नहीं अपना सकते तो उसके साथ जुड़ना सही नहीं है। मुझे नहीं लगता कि यह सही है। ₹ वैसे भी जिस तरह '50 करोड़ की गर्ल फ्रेंड ' कहकर शशि थरूर को लेकर अपमान जनक टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने सार्वजनिक भाषण में की गयी थी उसे देखकर भी नहीं लगता कि थरूर जैसा बुद्धिजीवी व संवेदनशील व्यक्ति कभी भाजपा में भी शामिल होगा। परन्तु इन्हीं खबरों के बीच एक बार फिर इस बात पर भी बहस छिड़ गयी है कि क्या राजनैतिक दलों में बुद्धिजीवियों की कोई महत्वपूर्ण भूमिका भी है ? यदि थरूर के ही राज्य केरल में पिछले चुनावों के दौरान देखें तो भारत के एक प्रख्यात सिविल इंजीनियर, दिल्ली मेट्रो के निदेशक व पद्म श्री तथा पद्म विभूषण जैसे अति प्रतिष्ठित सम्मानों के हासिल करने वाले ई श्रीधरन जिन्हें भारत के 'मेट्रो मैन' के रूप में भी जाना जाता है,को भाजपा द्वारा केरल का मुख्यमंत्री प्रचारित किया गया था। यह और बात है कि ई श्रीधरन स्वयं अपना चुनाव भी नहीं जीत सके। परन्तु क्या कोई जानता है कि आज ई श्रीधरन भाजपा में क्या भूमिका निभा रहे हैं ? एक श्रीधरन ही नहीं भाजपा में ही लाल कृष्ण आडवाणी से लेकर यशवंत सिन्हा व अरुण शौरी जैसे अनेक नेताओं का जो हश्र भाजपा में हुआ और हो रहा है वह किसी से छुपा नहीं है। क्या उनकी काबलियत के अनुसार उनके व्यक्तित्व का इस्तेमाल किया गया ? हाँ यदि एस जय शंकर,अश्वनी वैष्णव और हरदीप पुरी जैसे गिने चुने लोगों को जिम्मेदारियाँ दी भी गयी हैं तो वे भी कितने स्वतंत्र हैं किसी से छुपा नहीं है। हाँ सत्ता प्रमुख, पूर्व नौकरशाह होने के नाते उनसे किसी तरह की ₹ना ₹ की उम्मीद तो कर ही नहीं सकते क्यों उन्होंने अपनी पूरी सेवा के दौरान केवल 'यस मिनिस्टर ' ही तो कहा है ?

कमोबेश अधिकांश राजनैतिक दलों में यही स्थिति है। जहाँ पार्टी प्रमुखों को या आला कमान को बुद्धिजीवी,सलाह देने वाला,अपनी बुद्धि का इस्तेमाल करते हुये शीर्ष नेताओं को कोई नेक सलाह देने वाला नेता नहीं बल्कि ऐसा व्यक्ति चाहिये जो उनके प्रति पूरी तरह वफादार हो और हर सही व गलत बात में आला कमान की हाँ में हाँ मिलाने की 'सलाहियत ' रखता हो। हाँ, इन्हीं राजनैतिक दलों में कई ऐसे अवसरवादी प्रवृति के 'समझदार ' नेता भी मिल जायेंगे जो केवल अपने सुखद राजनैतिक भविष्य के कारण सभी परिस्थितियों में गुजारा करने में भी संतुष्ट रहते हैं। क्योंकि कभी इन्हें मंत्री बनाकर खामोश कर दिया जाता है तो कभी राज्यपाल का पद नवाज कर सक्रिय राजनीति से दरकिनार कर दिया जाता है। चूँकि ऐसे नेता प्रायः अपनी उम्र के आखिरी पड़ाव में होते हैं इसलिये 'जो मिला उसी में संतोष ' के सिद्धांत पर समझौता करते हुये अपना समय गुजार लेते हैं जबकि कुछ बगावती तेवर रखने या सच बोलने अथवा सवाल खड़ा करने वाले नेता 'सतपाल मालिक ' बन जाते हैं। गोया भारतीय राजनीति में बुद्धिमान होना ज्यादा जरूरी नहीं बल्कि 'वफादार ' होना ज्यादा जरूरी है।

भाजपा वार्ड क्रमांक १६० की ओर से मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आज के भागदौड़ की जिंदगी में तरह तरह की बीमारियों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। प्राइवेट अस्पतालों में मरीजों से इलाज के नाम पर मुंहमांगा पैसा लिया जा रहा है। इस परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी वार्ड क्रमांक 160 और युवक प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को घाटकोपर पश्चिम असल्फा गांव में स्थित भाजपा वार्ड क्रमांक १६० के कार्यालय में भव्य चिकित्सा शिविर का आयोजन संपन्न हुआ। चिकित्सा शिविर पूर्व नगरसेवक नील किरीट सोमैया, डॉशिंग दयावान कार्यसम्राट विधायक राम कदम के मार्गदर्शन में मंडल उपाध्यक्ष सनद ओझा और भाजपा वार्ड अध्यक्ष नितिन कांबले के प्रयास से संपन्न हुआ। चिकित्सा शिविर का लाभ बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने उठाया। चिकित्सा शिविर में शुगर, ब्लड प्रेशर, मलेरिया, थायराइड ब अन्य बीमारियों की जांच की गई। चिकित्सा शिविर में प्रमुख रूप से अनिल गायकवाड - एससी मोर्चा अध्यक्ष घाटकोपर पश्चिम संदीप एम. मोरे ,अशोक रोकड़े चिकित्सा सेवा उपाध्यक्ष घाटकोपर पश्चिम विधानसभा, श्रीकांत म्हस्करे - उपाध्यक्ष वार्ड नं. 160, संजय सिंह-उत्तर भारतीय मोर्चा उपाध्यक्ष घाटकोपर पश्चिम विधानसभा सहित अन्य कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुंबई एआई 2035' रिपोर्ट का अनावरण

मुंबई। एशिया का सबसे बड़ा एआई और टेक इवेंट मुंबई टेक वीक 2025 में 'मुंबई एआई 2035: इंडियाज हब ऑफ एआई एडॉप्शन एन्ड प्रॉफिटेबल इनोवेशन' रिपोर्ट का अनावरण किया गया। इस अवसर पर अमृता सिंह, पार्टनर, मैकिन्से एंड कंपनी, सत्य प्रथिपति, सीनियर पार्टनर, मैकिन्से एंड कंपनी, निखिल व्यास, पार्टनर, मैकिन्से एंड कंपनी, आकृत वैश, सह-अध्यक्ष, टीम, नैया सग्गी, एडिशन (ईडीटी), गुडग्लैम और टीम प्रवक्ता उपस्थित थे। यह रिपोर्ट मुंबई को भारत की एआई राजधानी के रूप में स्थापित करने, स्टार्टअप इकोसिस्टम के तेज विकास और एआई-आधारित नवाचारों के आगामी दशक में संभावित आर्थिक प्रभावों पर केंद्रित है।

नायशा ट्रेलर ने बॉलीवुड में एआई क्रांति की शुरूआत की

मुंबई। एआई अब कहानी कहने के नियमों को फिर से परिभाषित कर रहा है, और इसी के तहत बॉलीवुड की पहली पूर्ण एआई-पॉवर्ड फिल्म नायशा ने इंडस्ट्री में एक नई क्रांति ला दी है। यह फिल्म रचनात्मकता और तकनीक की सीमाओं को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए तैयार है। हाल ही में रिलीज हुए इसके बहुप्रतीक्षित ट्रेलर में पूरी तरह से एआई-जनरेटेड मुख्य किरदार नायशा बोस और जैन कपूर को एक रोमांचक प्रेम कहानी में दिखाया गया है, जो समय और सीमाओं से परे है। नायशा डिजिटल एंटरटेनमेंट की दुनिया में एक बड़ा बदलाव लाने वाली है। यह फिल्म नवीनतम एआई तकनीक को कहानी कहने के साथ जोड़कर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मानवीय भावनाओं के बीच की दूरी को खत्म करने का प्रयास कर रही है। इसका आधिकारिक ट्रेलर एआई-पॉवर्ड शानदार विजुअल्स, दिल को छू लेने वाली कहानी, और चार्टबस्टर साउंडट्रैक की झलक देता है। यह फिल्म अमेजिंग इंडियन स्टोरीज नामक एक नए एआई कंटेंट स्टूडियो द्वारा निर्मित की गई है, जिसका उद्देश्य सिनेमाई अनुभवों को नए सिरे से परिभाषित करना है। प्रतिष्ठित फिल्ममेकर विवेक अंचलिया इस फिल्म के निमार्ता और निर्देशक हैं। उन्होंने अपनी कहानी कहने की बेजोड़ शैली को इस क्रांतिकारी प्रोजेक्ट में लेकर आए हैं। तिकडम (जियो हॉटस्टार) के निर्देशक और राजमा चावल (नेटफ्लिक्स ओरिजिनल) के सह-लेखक रह चुके अंचलिया का मानना है कि नायशा बॉलीवुड में एआई के व्यापक उपयोग की शुरूआत करेगा। विवेक अंचलिया कहते हैं, नायशा के साथ हम भारतीय कहानी कहने और संगीत की ताकत को एआई की चमत्कारी तकनीक के साथ जोड़ रहे हैं, ताकि ऐसी कहानियां पेश की जा सकें, जो सभी वर्गों के दर्शकों को पसंद आएं। सिनेमा और डिजिटल एंटरटेनमेंट समय के साथ विकसित हुए हैं, लेकिन यह एक पूरी तरह से नया क्षेत्र है। एआई हमें सीमाओं से आगे बढ़ने और असंभव को संभव बनाने की शक्ति देता है। उन्होंने यह भी कहा कि ?नायशा आज की युवा पीढ़ी की भावनाओं को दशार्ती है, जो स्वतंत्रता और अपनी जड़ों से जुड़े रहने के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है। एआई तकनीक के माध्यम से हम आधुनिक दौर के उन विषयों को तलाश रहे हैं, जो युवा भारतीयों को गहराई से जोड़ते हैं—चयन की व्यापकता, वैश्विक स्तर पर पहचान की खोज, और सार्थक संबंधों की तलाश।

सैमसंग भारत में अगले हफ्ते गैलेक्सी ए सीरीज के तीन नये स्मार्टफोन्स लॉन्च करेगा

मुंबई/पटना। सैमसंग भारत में अगले हफ्ते गैलेक्सी ए सीरीज के तीन नये स्मार्टफोन्स लॉन्च करेगा। गैलेक्सी ए भारत में सैमसंग की सबसे सफल स्मार्टफोन सीरीज है। कंपनी हर साल इसके लाखों डिवाइसेस बेच रही है। गैलेक्सी ए सीरीज के नये स्मार्टफोन्स पिछले साल लॉन्च हुए गैलेक्सी ए35 और गैलेक्सी ए55 स्मार्टफोन्स की श्रृंखला को आगे बढ़ाएंगे। गैलेक्सी ए सीरीज के स्मार्टफोन्स युवा उपभोक्ताओं की लगातार बदल रही आवश्यकताएं पूरी करने के लिये है। अबकी बार इस सीरीज में नई डिजाइन, बेहतर ड्यूरैबिलिटी और आधुनिक सुरक्षा होगी, ताकि यूजर को शानदार एवं सुरक्षित अनुभव मिल सके। बीते वर्षों में सैमसंग ने गैलेक्सी ए सीरीज में अपने कई प्रमुख फीचर्स पेश किये हैं और इस तरह अपने सबसे नये फीचर्स को ज्यादा यूजर्स तक पहुँचाया है। गैलेक्सी अ सीरीज के तीन नये स्मार्टफोन्स लॉन्च के साथ ये परंपरा जारी रहेगी और भारतीय उपभोक्ताओं को अधिक विकल्प मिलेंगे।

डॉ रोशनी किरण की पुस्तक सुधियां तुम्हारी पास हैं का लोकार्पण

मीरारोड (उत्तरशक्ति)। हिंदी काव्य जगत की उदीयमान कवयित्री डॉ रोशनी किरण की चौथी साहित्यिक कृति सुधियां तुम्हारी पास हैं का लोकार्पण कल शाम को मीरा रोड स्थित विरुंगला केंद्र में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में किया गया। विश्व हिंदी शोध संवर्धन अकादमी तथा स्वर संगम फाउंडेशन के संयुक्त तत्वधान में आयोजित लोकार्पण एवं परिचर्चा कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ सुधाकर मिश्र ने किया। पुस्तक की सराहना करते हुए उन्होंने डॉ रोशनी किरण को हिंदी की विविधरंगी कवयित्री बताया। कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि तथा महाराष्ट्र के पूर्व दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री अमरजीत मिश्र तथा विशेष अतिथि महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के कार्याध्यक्ष डॉ शीतला प्रसाद दुबे ने नवासी गीतों से सजी पुस्तक की सराहना करते हुए बधाई दी। विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित प्रोफेसर डॉ दयानंद तिवारी, प्रोफेसर डॉ जितेंद्र पांडे, फिल्म गीतकार प्रमोद कुश तनहा, फिल्म गीतकार देवमणि पांडे तथा साहित्यकार दीनदयाल मुरारका ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम के आयोजक वरिष्ठ साहित्यकार हृदयेश मयंक ने उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि यह सभागृह साहित्य जगत से जुड़े लोगों के लिए हमेशा खुला है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ हरिप्रसाद राय ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सुंदर संचालन प्रोफेसर सिद्धार्थ द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, समाजसेवी धर्मेंद्र चतुर्वेदी,कवि प्रेम जौनपुरी, सायर ताज मोहम्मद सिद्दीकी, निडर जौनपुरी, जीनत एहसान कुरेशी, अर्चना उर्वशी, डॉ दिनकर दुबे, संतोष दुबे, अर्चना दुबे सिंह, लाल बहादुर यादव कमल, अरुण दुबे, पंडित जमदग्निपुरी, ओमप्रकाश तिवारी, हीरालाल यादव, मारकंडे त्रिपाठी, किरण मिश्रा, अंबिका झा, माया मेहता, गोकुल राठौड़, आभा दवे, श्रीधर मिश्र आदि का समावेश रहा।

धर्मांतरण पर रोक लगाने हेतु कड़े कदम उठायेगा बजरंग दल

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले में सनातन(हिंदू) धर्म के सीधे-साधे तथा कमजोर लोगों को विभिन्न तरीके का लालच देकर दूसरे धर्म में शामिल करने के फिराक में लगे तत्वों के खिलाफ बजरंग दल ने कड़े कदम उठाने की तैयारी कर ली है। धर्म परिवर्तन की कोई भी शिकायत बजरंग दल के पास पहुंचने पर धर्म परिवर्तन के खेल में शामिल सभी लोगों के विरुद्ध बजरंग दल सक्ती के साथ पेश आने वाला है। इसलिए धर्म परिवर्तन कराने के चक्कर में लगे लोगों को चेतावनी देने स्वरूप बजरंग की ओर से शुक्रवार 28 फरवरी 2025 को पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत गणेश नगर में रैली निकाली गई। इस रैली में विश्व हिंदू परिषद जिला अध्यक्ष महावीर सोलंकी (जैन), जिला सचिव रामरंजन सिंह, बजरंग दल कोंकण प्रांत गौ रक्षा प्रमुख चंदन सिंह, विहिप के प्रखंड प्रमुख एस.पी.सिंह, बजरंग दल पालघर जिला संयोजक कुंदन सिंह, प्रखंड प्रमुख राबिन सिंह, राजन चौबे, धनंजय सिंह, प्रदीप झा, अक्षय तांडेल, विनोद बरनवाल, अनिल कुशवाहा के अलावा विहिप बजरंग दल के अन्य पदाधिकारी, स्वयंसेवक व ग्रामवासी शामिल रहे।

धर्मावलंबियों द्वारा की गई निःशुल्क शीतल पेय जल केंद्र की शुरूआत

पालघर(उत्तरशक्ति)। जल है, तो जीवन है। धीरे धीरे गर्मी की हो रही शुरूआत को मद्देनजर रखते हुए कोई भी राहगीर प्यासा न रहे, की मंशा से पालघर जिले के बोईसर शहर के सरावली ग्राम पंचायत के अवध नगर क्षेत्र में धर्मावलंबियों की ओर से निःशुल्क शीतल पेय जल केंद्र की शुरूआत शनिवार 1 मार्च 2025 को की गई। बतादें कि धर्मावलंबियों के द्वारा पिछले सात वर्षों से लगातार गर्मी के मौसम में निःशुल्क शीतल पेय जल केंद्र चलाया जा रहा है। यह शीतल पेय जल केंद्र 1 मार्च से शुरू किया जाता है जो 30 जून तक निरंतर सातों दिन और चौबीसों घण्टे चलता रहता है। इस निःशुल्क शीतल पेय जल केंद्र के शुभारंभ के अवसर पर शीतल पेय जल केंद्र व्यवस्थापक मंडल के बंसी गुप्ता, दिनेश्वर कुशवाहा, शिवलाल गुप्ता, विहिप प्रखंड प्रमुख एस.पी. सिंह, गणेश राणा, राहुल मिश्रा, गंगाराम नायक, मनोज कांति, अयोध्या नायक, राम अवतार यादव आदि धर्मावलंबी उपस्थित रहे।

डॉ. श्री नानासाहेब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान द्वारा मुंबई में महास्वच्छता अभियान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र भूषण डॉ. नानासाहेब धर्माधिकारी की जयंती के अवसर पर आज डॉ. नानासाहेब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान रेवदंडा अलीबाग द्वारा पूरे भारत में महास्वच्छता अभियान शुरू किया गया। इसके तहत प्रतिष्ठान के हजारों सदस्यों ने आज रविवार 2 मार्च को सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक मुंबई के विभिन्न इलाकों में सफाई अभियान में हिस्सा लिया। यह मिशन पद्मश्री डॉ. अप्पासाहेब धर्माधिकारी और रायगढ़ भूषण डॉ. सचीनदादा धर्माधिकारी के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक चलाया गया। बताया गया कि प्रतिष्ठान के सदस्यों ने उपनगरों से 46,466 किलोग्राम सूखा कचरा और 6487 किलोग्राम गीला कचरा एकत्र किया। श्री सदस्य ने बताया कि मुंबई में मनपा अस्पताल, श्मशान, बस स्टेशन, स्टेशन परिसर, विभिन्न सड़कें, सरकारी कार्यालय आदि में सफाई की गई। इस पहल में सामाजिक और राजनीतिक समूहों ने भाग लिया। थोर निरुपणकार एवं महाराष्ट्र भूषण डॉ. नानासाहेब धर्माधिकारी की जयंती के अवसर पर प्रतिवर्ष 1 मार्च को डॉ. श्री नानासाहेब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान द्वारा विभिन्न सामाजिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

मानवता ही जात है और मानवता ही धर्म है, यह शिक्षा प्रतिष्ठान द्वारा प्रत्येक रविवार को बाल संस्कार शिविरों, महिला एवं पुरुष बैठक के माध्यम से निरूपण दिया जाता है। सदस्यों ने यह भी कहा कि स्वास्थ्य में सुधार और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए वृक्षारोपण और संरक्षण के साथ-साथ स्वच्छता अभियान जैसी प्रमुख पहलों को क्रियान्वित किया जा रहा है। आज आयोजित इस महासफाई अभियान में स्थानीय विधायक राम कदम, पूर्व नगरसेविका बिंदु त्रिवेदी, प्रवीण छेड़ा, दीपक बाबा हांडे, अमय घोले, सुनील मोरे आदि विभिन्न दलों के नेता, कार्यकर्ता और सामाजिक कार्यकताओं ने भी भाग लिया और अपना कर्तव्य निभाया।

इस अवसर पर विधायक राम कदम ने फाउंडेशन के इस अभियान की सराहना की। प्रतिक्रिया दीपक बाबा हांडे (पूर्व नगरसेवक) डॉ. श्री नानासाहेब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान का कार्य सदैव सराहनीय है। सदस्य अपने कर्तव्यों का पालन शांत तरीके से करते हैं। फाउंडेशन के इस अभियान में भाग लेना अक्सर खुशी की बात होती है।

स्वर्गीय रतनबुवा पाटिल क्रिकेट मैच में शामिल हुवे: राज ठाकरे

पूर्व मंत्री रविंद चव्हाण की इस टूर्नामेंट में खास उपस्थित

कल्याण (उत्तरशक्ति)। मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे शनिवार को कल्याण ग्रामीण के दौरे पर थे पूर्व विधायक और राजू पाटिल की ओर से कल्याण ग्रामीण में आयोजित स्वर्गीय रतनबुवा पाटिल क्रिकेट मैच में शामिल हुए।

इस टूर्नामेंट में ठाणे रायगढ़ सहित देश के हर कोने से क्रिकेट मैच खेला जाएगा। इस मैच क्रिकेट देखने के लिए राज ठाकरे खुद मौजूद थे . राज ठाकरे के आने के बाद मैदान में ढोल-ताशा टीम के साथ एक भव्य लेजर शो का आयोजन किया गया. इस मौके पर पूर्व मंत्री रविंद्र चव्हाण और एमएनएस नेता अविनाश जाधव, राजू पाटिल और अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे. इस मौके पर टूर्नामेंट की ट्रॉफी का अनावरण राज ठाकरे ने किया और मैच का टॉस फेंकने का सम्मान भी उन्हें ही मिला. इस टूर्नामेंट में मैन ऑफ द मैच रहे खिलाड़ी से राज ठाकरे ने बातचीत की. उस समय उन्होंने कहा, मुझे भी क्रिकेट सीखना चाहिए था ये कहते हुए उन्होंने क्रिकेट न सीख पाने का अफसोस जताया.

गोरेगांव स्पोर्ट्स क्लब में मुंबई राजपूत कप क्रिकेट प्रतियोगिता सम्पन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। खेलों से शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से फायदा होता है. खेल खेलने से हम स्वस्थ रहते हैं, तनाव कम करते हैं और अपने दायित्वों को बेहतर तरीके से पूरा कर पाते हैं. खेलों से हमें कई तरह के जीवन कौशल भी मिलते हैं. गोरेगांव स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित पांचवे मुंबई राजपूत कप क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रमुख अतिथि के रूप में बोलते हुए महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह ने उपरोक्त बातें कही। इस अवसर पर प्रख्यात समाजसेवी तथा उद्योगपति ज्ञान प्रकाश सिंह, विधायक विद्या ठाकुर, पूर्व सांसद धनंजय सिंह, मुंबई भाजपा के उपाध्यक्ष अखिलेश सिंह, एडवोकेट अखिलेश चौबे, महाराष्ट्र बीजेपी उपाध्यक्ष जयप्रकाश ठाकुर, मुंबई कांग्रेस महासचिव डॉक्टर किशोर सिंह, ठाकुर देवेश सिंह, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रामबक्श सिंह, समाजसेवी जयप्रकाश सिंह (बब्बन) सिंह, समाजसेवी रत्नेश सिंह, रवि सिंह ,सुरेंद्र सिंह, राजबहादुर सिंह, सुधाकर सिंह, बिसेन, भोजपुरी फिल्म एक्ट्रेस अक्षरा सिंह, भाजपा उपाध्यक्ष संतोष सिंह, पत्रकार राजकुमार सिंह, पत्रकार आदित्यनाथ दुबे, पत्रकार जयप्रकाश सिंह, समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इस क्रिकेट प्रतियोगिता में 5 टीमों राजपूत रॉयल, राजपूत योद्धा, राजपूत वॉरियर्स, राजपूत किंग तथा राजपूत लायंस ने भाग लिया।सुबह 7 बजे से रात को 11:30 बजे तक चली प्रतियोगिता का फाइनल राजपूत रॉयल्स और राजपूत वॉरियर्स के बीच हुआ दोनों टीमों के कप्तान संदीप अखिलेश सिंह तथा अंतेश राजेश सिंह और उनकी टीम ने अपने अच्छे खेल से उपस्थित सभी दर्शकों का मन जीत लिया। संदीप अखिलेश सिंह की टीम राजपूत रॉयल्स विजई हुई। विजेता टीम को समाज के प्रतिष्ठित ठाकुर ग्रुप आफ कंपनी की तरफ से 1,11,000 रुपए का इनाम दिया गया तथा परिश्रम संस्था की तरफ से मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार 25,000 रुपए दिया गया । उपविजेता टीम को 1, 01,000 रुपए का पुरस्कार बी आई एस द्वारा दिया गया।

शिंदे गुट का लगातार बढ़ता ग्राफ, सैकड़ों लोगों ने ली सदस्यता

पालघर (उत्तरशक्ति)। विकासोन्मुखी, जनोन्मुखी, पूर्व मुख्यमंत्री, वर्तमान उपमुख्यमंत्री व शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे की कार्यशैली तथा शिवसेना पालघर जिला प्रमुख कुंदन संखे के प्रयासों से विधानसभा चुनाव के समापन के पश्चात भी लगातार शिवसेना का ग्राफ बढ़ रहा है। दिन ब दिन लोग शिवसेना की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। एक फिर शिवसेना जिला प्रमुख कुंदन संखे के प्रयासों से शिवसेना पालघर जिला कार्यालय राजयोग पर जिले के विभिन्न पार्टियों के पाधिकारियों, पूर्व पंचायत समिति सदस्य, सरपंच, उपसरपंच समेत सैकड़ों लोगों ने शिवसेना की सदस्यता ग्रहण की। शिवसेना शिंदे गुट में उठाबा के पूर्व पंचायत समिति सदस्य सुभाष चौरे, राष्ट्रवादी कांग्रेस शरद पवार गुट के पूर्व पंचायत समिति सदस्य शैलेश हाडल, ओसरवीरा सरपंच नरेश कोरडा, धानीवरी सरपंच शैलेश कोरडा, गंजाड के पूर्व सरपंच अभिजीत देशक, प्रभारी सरपंच कौशल कामडी, निकड़े के उपसरपंच सुदाम के अलावा सैकड़ों लोगों ने प्रवेश करते हुए सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर शिवसेना पालघर जिला प्रमुख कुंदन संखे, पालघर विधानसभा विधायक राजेंद्र गावित, पूर्व विधायक मनीषा निमकर, शिवसेना प्रवक्ता केदार काले, जिला संघटिका वैदेही वाढाण के अलावा शिवसेना के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एन एस डी एफ संस्था के अध्यक्ष बने एम .जी .शेखर पदाधिकारियों में दिखा उत्साह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत ही नही विश्व स्तर पर काम करने वाली संस्था के संस्थापक पद्मश्री स्वर्गीय डॉ. जोकिन अरपूतन रेमन मैग्सेसे पुरस्कार विजेता ने भारत मे सभी झोपड़पट्टी वासियों के लिये एन एस डी एफ संस्था की स्थापना की और अंतराष्ट्रीय के नाम से विश्व स्तर पर फैल गया है और लगभग ३५ देशों में इसकी उपस्थिति है।

लेकिन दुर्भाग्य पूर्ण डॉ.जोकीन अरपुतन की मृत्यु के बाद संस्था का कामकाज स्थगित हो गया। कुछ वर्षों तक काफी संघर्ष करना पड़ा लेकिन संस्था के पुननिर्माण के लिये लाभार्थियों की दुआ से और पदाधिकारियों के कड़े संघर्ष के बाद डॉ. जोकीन अरपुतन के मार्गदर्शन में प्रशिक्षित एम.जी.शेखर ने २७ फरवरी २०२५ को नेशनल स्लम होल्डर्स फेडरेशन संस्था का अध्यक्ष पद संभाल लिया और अब स्वर्गीय डॉ.जोकीन अर पुतन के बाद इस संस्था के भविष्य को संवारने के लिए राष्ट्रीय समन्वय समिति का पहला आयोजन २७ फरवरी २०२५ को आयोजित किया गया सुबह १०:०० बजे से शाम ५:०० बजे तक चले सम्मेलन में भारत के पंद्रह से अधिक राज्यों के झोपड़ा वासियों के अलावा राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया जिसमें राज्य के सम्मानित व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया और सभी समानित व्यक्तियो ने अपने विचार रखते हुये मार्गदर्शन करते हुये संस्था के उज्वल भविष्य के लिये शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम तीसरी मंजिल,सूर्योदय एस. जी.आर.एन. एस. एन. एस. डी. एफ और धारावी विकास समिति कार्यालय थेवर नगर सायन धारावी टी जंक्शन के समीप मुंबई में आयोजित हुआ।

बतादें की देश में हजारों संस्था जनहितार्थ के लिये कार्यरत है लेकिन नेशनल डेवलपर्स फेडरेशन (एन एस डी एफ) संस्था ने भारत ही नही विश्व स्तर पर जो काम कर-के झोपड़ा वासियों के सपनों को साकार करने का जो काम किया वो शायद ही किसी अन्य संस्था ने किया होगा और जब तक स्वर्गीय जोकीन अर्पथम जिंदा थे हर जरूरतमंद परिवार को हर संभव मदद पहुचाने का प्रयास हुआ।

बिना किसी भेदभाव का लेकिन उनके निधन के बाद हजारों परिवार व संस्था के पदाधिकारी अपने आप को असहाय महसूस करने लगे कुछ वर्षों के कड़े संघर्ष के बाद आखिरकार प्रशिक्षित एम.जी.शेखर को संस्था का अध्यक्ष नियुक्त किया गया यह देखकर सभी झोपड़ा वासियों और पदाधिकारीयों उत्साह देखने को मिल रहा है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव की अध्यक्षता में जौनपुर महोत्सव को लेकर बैठक सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर महोत्सव 10, 11 और 12 मार्च 2025 को शाही किला में आयोजित होना प्रस्तावित है। बैठक में जौनपुर महोत्सव को लेकर कार्यक्रमों की रूप-रेखा तय की गई। जौनपुर महोत्सव में श्रम विभाग के द्वारा स्टॉल लगाकर श्रमिकों का पंजीकरण एवं नवीनीकरण, डीएफओ और उद्यान अधिकारी द्वारा नव विवाहित जोड़ो को सहजन के पौधे का वितरण, एलडीएम के द्वारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के प्रचार-प्रसार का स्टॉल, खादी ग्रामोद्योग विभाग सहित अन्य विभागों के द्वारा अपने-अपने विभाग से संबंधित स्टाल लगाए जाएंगे।मंत्री के द्वारा निर्देशित किया गया कि जौनपुर महोत्सव में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, शहीदों के परिजनों और जनपद की प्रतिभाओं का सम्मान किया जाए। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को निर्देशित किया कि अभियान चलाकर झाड़ियों की कटाई तथा साफ-सफाई कराए। अधिशासी अभियन्ता पीडब्ल्यूडी को निर्देशित किया गया कि जिन सड़कों की स्वीकृति हो गई है उन सड़कों को ठीक करा दिया जाए यदि कोई गड्ढे है तो उन्हें तत्काल गड्ढा मुक्त किया जाए। महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका दिया जाए। इसमें बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूलों के बच्चों द्वारा भी प्रतिभाग कराया जाएगा। महोत्सव में सामूहिक विवाह कराये जाने के सम्बन्ध में जिला समाज कल्याण अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। उन्होंने यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। जिलाधिकारी डा. दिनेश चन्द्र के द्वारा मंत्री को आश्वस्त कराया गया कि सभी विभागों के समन्वय से जौनपुर महोत्सव का आयोजन भव्य तरीके से कराया जायेगा। इस अवसर पर अध्यक्ष नगरपालिका परिषद जौनपुर मनोरमा मौर्य, जिलाध्यक्ष बीजेपी पुष्पराज सिंह, मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट इशिता किशोर, अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व अजय अम्बष्ठ, पीडी के0के0 पाण्डेय, बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल, सहित अन्य उपस्थित रहे।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

बक्सा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेन्द्र सिंह के निर्देशन एंव क्षेत्राधिकारी सदर, देवेश सिंह के कुशल पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह के नेतृत्व मे उ0नि0 रविन्द्रनाथ पाण्डेय मय हमराही कर्मचारीगण के थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु.अ.सं. 44/2025 धारा 64,77,351(2) बी.एन.एस. थाना बक्सा जौनपुर का दुष्कर्म का आरोपी नदीम सरवर पुत्र मोहम्मद भुद्दू निवासी ग्राम सदरूद्दीनपुर थाना बक्सा, जौनपुर को मुखबीर की सूचना पर लखौवा बाजार से आज दिनांक-02.03.2025 को गिरफ्तार कर अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जीवन की प्रथम गुरू मां होती हैं : ओपी यादव

समाजसेविका कलावती देवी की 12वीं पुण्यतिथि पुत्र बृजेश यादव ने सैकड़ों जरूरतमन्दों को दिया वस्त्र

खुटहन, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मनुष्य के जीवन की प्रथम गुरू मां होती हैं। मां ही देवी,देवताओं, शैक्षिक गुरूजनों, परिवार सहित समाज की ज्ञान देती है। ऐसे में मां का स्थान तीनों ब्रह्माण्ड में सबसे ऊंचा है। उक्त बातें समाजसेविका कलावती देवी की 12वीं पुण्यतिथि पर आयोजित सेवार्थ कार्यक्रम में ओ.पी. यादव उपायुक्त राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीसी एनआरएलएम) ने बतौर मुख्य अतिथि कही।स्थानीय क्षेत्र के ईश्वरपुर सलहदीपुर गांव में आयोजित उपरोक्त कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि श्री यादव के अलावा विशिष्ट अतिथि गौरवेन्द्र प्रताप सिंह खण्ड विकास अधिकारी खुटहन एवं जितेन्द्र प्रताप सिंह खण्ड विकास अधिकारी सुइथाकला ने कलावती देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुये दीप प्रज्वलित करके किया। इसके बाद कार्यक्रम आयोजक पत्रकार बृजेश यादव सहित तमाम उनके परिजनों ने मंचासीन अतिथियों को माल्यार्पण करके स्वागत किया। साथ ही सैकड़ों जरूरतमन्द महिला/पुरूष को वस्त्र देकर आशीर्वाद लिया गया।इसी क्रम में विशिष्ट अतिथि गौरवेन्द्र प्रताप ने कहा कि सभी को चाहिये कि अपने मां,बाप की सेवा करें क्योंकि तमाम झंझावत झेलते हुये वहीं मां,बाप आपके अलावा अपनी सभी सन्तानों का पालन पोषण करते हैं। साथ ही विशिष्ट अतिथि जितेन्द्र प्रताप ने कहा कि बृजेश यादव जैसे मां के लाल से सभी को प्रेरणा लेनी चाहिये। इसके अलावा समूह सम्पादक रामजी जायसवाल, सहायक अध्यापक दयाशंकर यादव सहित अन्य वक्ताओं ने जहां अपना विचार व्यक्त किया। वहीं कार्यक्रम आयोजक बृजेश यादव ने स्वागत भाषण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी लालता प्रसाद यादव एवं संचालन अजय पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर रमेश यादव, राजेश यादव, ईश्के लाल यादव, नरेन्द्र कुमार, श्रवण उपाध्याय, विपिन यादव सहित तमाम ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत अधिकारी, ग्राम प्रधान, पूर्व प्रधान, समाजसेवी, अधिवक्ता, पत्रकार आदि उपस्थित रहे। अन्त में बृजेश यादव ने समस्त आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

ब्लॉसम्स स्कूल में विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का हुआ भव्य आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। ब्लॉसम्स स्कूल, जौनपुर में विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन कैप्टन इंद्रजीत सिंह (संस्थापक ळड़ट्ठ) द्वारा तथा कला एवं शिल्प प्रदर्शनी का उद्घाटन दिनेश टंडन पूर्व चेयरमैन, नगर पालिका, जौनपुर द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाने हेतु मुख्य अतिथि अब्बास हुसैन रुएहसासरु (न्यायिक मजिस्ट्रेट), सत्यराम प्रजापति (प्रबंधक, राज इंटर एवं डिग्री कॉलेज), सोमेश्वर केसरी (प्रदेश अध्यक्ष, व्यापार मंडल), श्रीमती स्वप्निल श्रीवास्तव (कोऑर्डिनेटर, प्रसाद इंटरनेशनल), मधुसूदन बनाकर , अब्बूजर सभासद तथा अलमास सभासद उपस्थित रहे। कैप्टन इंद्रजीत सिंह ने छात्रों द्वारा प्रस्तुत विज्ञान के अद्भुत मॉडलों की सराहना करते हुए कहा कि ह्न्इस नवाचारों में भविष्य की झलक है। बच्चों की यह सोच न केवल उनकी बौद्धिक क्षमता को दर्शाती है, बल्कि समाज के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगी। दिनेश टंडन जी ने कला एवं शिल्प प्रदर्शनी को सराहा और कहा कि ह्न्छात्रों की कल्पनाशीलता और रचनात्मकता अतुलनीय है। इनकी कलाकृतियाँ यह साबित करती हैं कि ये बच्चे न केवल विज्ञान बल्कि कला में भी निपुण हैं। प्रदर्शनी में आए अभिभावकों एवं अन्य दर्शकों ने विद्यालय के विज्ञान एवं कला संकाय की उत्कृष्ट सराहना की। उन्होंने कहा कि ह्न्इस स्तर की प्रदर्शनी अन्य स्कूलों में देखने को नहीं मिलती। छात्रों और शिक्षकों ने जिस मेहनत से यह आयोजन किया है, वह अत्यंत सराहनीय है। विद्यालय के प्रबंधक सैयद शम्स अब्बास साहब ने सभी शिक्षकों और छात्रों को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी और कहा कि ह्न्इस प्रकार की प्रदर्शनी छात्रों के बौद्धिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह आयोजन छात्रों के अंदर खोज और नवाचार की भावना को और अधिक प्रोत्साहित करेगा। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती नीलम अस्थाना जी ने सभी के ह्न्यमान एवं अदृश्य प्रयासों की सराहना करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि ह्न्यह आयोजन केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की एक झलक है। इन सभी मॉडलों और प्रयोगों ने विज्ञान व कला के प्रति छात्रों की रुचि और उनकी अद्भुत सोच को दर्शाया। इस भव्य प्रदर्शनी ने विद्यालय को एक नए स्तर पर स्थापित किया और छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की ओर महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया।

राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव द्वारा शाही किले का किया गया स्थलीय निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण विभाग गिरीश चंद्र यादव द्वारा शाही किले का स्थलीय निरीक्षण कर जौनपुर महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा की गई।

मंत्री ने महोत्सव की तैयारी को लेकर बैठक में बनाई गई कार्ययोजना के संबंध में स्टाल लगाए जाने तथा सामूहिक विवाह के आयोजन, मंच, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि हेतु चिन्हित स्थानों का निरीक्षण करते हुए निर्देशित किया कि तैयारियां ससमय कर ली जाए तथा महोत्सव के दौरान साफ-सफाई के साथ ही सुरक्षा व्यवस्था पूर्व में ही सुनिश्चित कर ली जाए। महोत्सव में शासन की योजनाओं के प्रचार प्रसार हेतु सभी विभागों को निर्देशित कर दिया जाए जिससे आम जनमानस को योजनाओं का लाभ दिया जा सके। मंत्री ने सामूहिक विवाह के आयोजन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश जिला समाज कल्याण अधिकारी को दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र, मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, जॉइंट मजिस्ट्रेट इशिता किशोर, परियोजना निदेशक के०के० पांडेय, जिला पंचायत राज अधिकारी नत्थूलाल, जिला समाज कल्याण अधिकारी नीरज पटेल, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी नरेंद्र विश्वकर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा के लिए विद्यालय से आठ बच्चे हुए चयनित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर क्षेत्र के कबीरपुर कंपोजिट विद्यालय से राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा में कंपोजिट विद्यालय कबीरपुर, मुंगराबादशाहपुर जौनपुर से प्रियांशु यादव व अभिषेक यादव जनपद में चौथा और दसवां स्थान प्राप्त किया। इसी के साथ अंशिका, खुशबू, नंदनी, रेखा, अमित, आशीष साहित कुल आठ बच्चे चयनित हुए। विद्यालय के प्र०अ० धर्मेंद्र कुमार मिश्र ने कहा कि स०अ० अवधेश कुमार पाल द्वारा बच्चों से कड़ी मेहनत एवं लगन के साथ तैयारी कराई गयी। जिसमें बच्चों से समय-समय पर टेस्ट एवं प्रैक्टिस भी कराया गया था।इस तैयारी में रामलखन यादव, संजय कुमार मौर्य, शिवानंद आर्य, सुनैना मौर्या, जयेश यादव, अंकिता श्रीवास्तव, सुनील कुमार यादव, सुरेंद्र प्रताप यादव, इस्तियाक अहमद, सावित्री देवी, संगीता हलवाई, कौशलेश कृष्ण यादव आदि अध्यापकों ने सहयोग किया।

ग्राम रोहियांव में अखण्ड संकीर्तन महायज्ञ का आयोजन 6 से

जौनपुर (उत्तर शक्ति)। उत्तर प्रदेश जनपद जौनपुर विकास खंड सुजानगंज, पोस्ट मधुपुर ग्राम रोहियांव में अखण्ड हरिनाम संकीर्तन महायज्ञ का आयोजन अखिल भारतीय संकीर्तन मंडल के तरफ से दिनांक 6 मार्च 2025 दिन गुरुवार सुबह 9 बजे से प्रारंभ होकर दिनांक 13 मार्च 2025 को समाप्त होगा। और उसी दिन दोपहर 2 बजे हवन होगा हवन के उपरांत महाभंडारा का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम स्वर्गीय बद्री प्रसाद मिश्रा के स्मृति में रखा गया है। बद्री प्रसाद मिश्रा के बड़े पुत्र रामचंद्र मिश्रा दास ने अपने पिता के यादगार में रखा है। उन्होंने ने बताया कि सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार हेतु अखिल भारतीय संकिर्तन मंडल कार्य कर रहा है। और जगह-जगह पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। जिसमें क्रमशः पुत्र पंडित रामचंद्र दास मिश्रा, राम-लखन मिश्रा, हरिश्चंद्र मिश्रा, कृष्ण चंद्र मिश्रा के सहयोग से कार्यक्रम हो रहा है। यह जानकारी जौनपुर महैर मंदिर के हनुमान जी पुजारी रामचंद्र दास ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।

हाईवे किनारे नहीं बिकेगी शराब : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ(उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में होने वाले सड़क हादसों को रोकने के लिए हाईवे के किनारे स्थित दुकानों में शराब बिक्री रोकने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ओवर स्पीडिंग, ड्रंकन ड्राइव, गलत साइड पर गाड़ी चलाना, जंपिंग रेड लाइट एवं मोबाइल फोन का उपयोग सड़क दुर्घटना घटित होने के मुख्य कारक हैं। इसके लिए लोगों में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अक्सर यह देखा गया है कि शराब की दुकानों के साइनेज बहुत बड़े होते हैं, इन्हें छोटा किया जाए। बिना परमिट की बसें सड़कों न चलने पाएं। डग्गामार वाहनों एवं ओवरलोडेड ट्रकों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करें। दूसरे प्रदेश से आने वाले बिना परमिट के वाहनों को बॉर्डर पर रोकें। सीएम योगी ने कहा कि ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन एवं व्हीकल एसोसिएशन से संवाद स्थापित कर यह सुनिश्चित कराएं कि लंबी दूरी के वाहनों पर दो ड्राइवर हों। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सड़क दुर्घटनाओं के वार्षिक आंकड़ों पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 में 46052 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। इसमें 34600 लोग घायल हुए हैं। जबकि 24 हजार से अधिक मौतें हुई हैं, जो कि अत्यंत दुखद है। इसे हर हाल में न्यूनतम करना होगा। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय बनाकर सामूहिक प्रयासों के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करें। साथ ही प्रदेश के सभी मार्गों पर ब्लैक स्पॉट को चिन्हित कर उन्हें ठीक कराएं। मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों के उपचार के विषय में चिंता करते हुए कहा कि सभी एक्सप्रेस-वे के दोनों तरफ फूड प्लाजा की तरह अस्पताल की व्यवस्था करें। साथ ही सभी मंडल मुख्यालयों के अस्पतालों में ट्रामा सेंटर, एंबुलेंस एवं ट्रेंड की स्टाफ को तैनाती भी सुनिश्चित की जाए।

अब बनारस में गंगा किनारे बसाया जायेगा वन, 350 बीघे में बनेंगे कुंड-तालाब और प्लेग्राउंड

वाराणसी (उत्तरशक्ति) नगर निगम डोमरी गांव में 350 बीघा जमीन पर वन बसाएगा। इसमें एक लाख पौधे लगाए जाएंगे। इसके अलावा इसे विकसित करते हुए पाथवे, कुंड तालाब, बच्चों के लिए प्लेग्राउंड और मेडिटेशन सेंटर की व्यवस्था की जाएगी। यह काम अगले एक साल में पूरा हो जाएगा। नगर निगम ने बताया कि इससे नगर निगम को सात करोड़ की सालाना आय होगी। यह फैसला रविवार को मेयर अशोक तिवारी की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में लिया गया। मेयर ने कहा कि महाकुंभ में लगे सफाई कर्मियों को सोमवार को सम्मानित किया जाएगा। उन्हें प्रशस्ति पत्र और अंगवस्त्र देकर सम्मानित करते हुए भोजन कराया जाएगा। समीक्षा बैठक में सामने आया कि गृहकर वसूली 54.69 करोड़ की हुई है जबकि लक्ष्य 94 करोड़ रुपये है। जलकल विभाग की वसूली 100 करोड़ के सापेक्ष अभी तक मात्र 47 करोड़ की वसूली होने पर नाराजगी जताई। 18 वार्डों में से 13 वार्ड की डीपीआर तैयार कर स्वीकृति के लिए शासन को भेज दिया गया है, शेष 5 वार्डों की डीपीआर एक सप्ताह में पूरी हो जाएगी। मेयर ने शहीद उद्यान और नगर निगम के पंप हाउस नदेसर और अनंता नगर में बने शिरोपरी जलाशय में होली के पूर्व कनेक्शन करने हेतु जल निगम को निर्देशित किया। व्यावसायिक गतिविधियों वाले भवनों का थर्ड पार्टी सर्वे कराने हेतु निर्देशित किया। नवविस्तारित क्षेत्रों में होटल, लॉज, बैंक्वेट आदि का सर्वे कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में नगर आयुक्त अक्षत वर्मा, अपर नगर आयुक्त सविता यादव, राजीव कुमार राय, विनोद कुमार गुप्ता, मुख्य अभियंता मोइनुद्दीन, डॉ. सुरेंद्र कुमार चौधरी मौजूद रहे।

छः वर्ष की बालिका ने रखा पहला रोजा, परिवार में खुशी का माहौल

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति) रमजान का पाक महीना चल रहा है, और इस दौरान बच्चों में भी इबादत का खास उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी कड़ी में छः वर्षीय नूर फातिमा ने अपना पहला रोजा रखकर सबको आश्चर्यचकित कर दिया। कस्बा के जोगियाना वार्ड निवासी सफर शेख की छः वर्षीय पुत्री नूर फातिमा ने बचपन से ही अपने परिवार को रोजे रखते हुए देखा और इस बार उसने भी खुद रोजा रखने की इच्छा जताई। परिवार ने पहले सोचा कि उम्र कम होने के कारण यह मुश्किल होगा लेकिन उसकी जिद और हौसले को देखते हुए उसे रोजा रखने की इजाजत दी गई। सुबह सहरी में उसने पूरे उत्साह के साथ खाना खाया और फिर नियत करके रोजा रखा। पूरे दिन उसने धैर्य और समर्पण के साथ रोजा निभाया और इफ्तार के समय परिवार के साथ मिलकर अपना पहला रोजा खोला। इस मौके पर परिवार के सदस्यों ने उसकी हिम्मत की सराहना की और उसे दुआएं दीं। बच्ची के माता-पिता का कहना है कि वे उसकी हिम्मत और धार्मिक आस्था से बहुत खुश हैं। उन्होंने बताया कि यह उनके लिए गर्व का क्षण है कि इतनी छोटी उम्र में उनकी बेटी ने यह कदम उठाया। इस छोटी बच्ची के हौसले ने समाज में एक मिसाल कायम की है और सभी को यह संदेश दिया है कि इबादत और धार्मिक आस्था के लिए उम्र मायने नहीं रखती, बल्कि सच्चे दिल और समर्पण की जरूरत होती है।

5 दिनों में काशी पहुंचे 953 वीआईपी, सात मुख्यमंत्री और सात राज्यपाल भी शामिल

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में महाकुंभ के दौरान श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में बीआईपी और बीबीआईपी दर्शन का सिलसिला तेज रहा। पिछले 45 दिनों (13 जनवरी से 26 फरवरी) में 953 विशिष्ट व्यक्तियों ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। इनमें सात मुख्यमंत्री, सात राज्यपाल, 190 न्यायमूर्ति, 161 मंत्री-नेता, और कई अन्य गणमान्य लोग शामिल रहे। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी सहित कई राज्यों के नेता काशी पहुंचे। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न हाईकोर्ट के 190 न्यायमूर्ति और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर समेत 145 मंत्रियों ने मंदिर में पूजा-अर्चना की। तीन अलग-अलग समूहों में 213 विदेशी प्रतिनिधि भी काशी आए, वहीं फिल्मी दुनिया से रवीना टंडन, प्रीति जिंटा, परिणीति चोपड़ा और क्रिकेटर आरपी सिंह ने भी दर्शन किए। उद्योग जगत और ब्यूरोक्रेसी से 389 विशिष्ट व्यक्तियों का आगमन हुआ। श्रद्धालुओं और श्ब्द आगमन के बावजूद काशी में ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू रही। कमिश्नरेट पुलिस द्वारा विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया गया जिससे शहर के आंतरिक हिस्सों में यातायात बाधित नहीं हुआ। 15 फरवरी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हवाई सर्वेक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया था।

मस्जिदों व घरों में रोजेदारों ने इफ्तार कर खोला रोजा

जौनपुर(उत्तरशक्ति) जिले में रविवार को पवित्र माह रमजान के पहले दिन मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में सुबह से ही रोजेदारों की चहल पहल दिखाई पड़ी। सूर्योदय से पहले ही लोगों ने अपने अपने घरों में सहरी करने के बाद रोजा रखने की नीयत किया और अजान के बाद फज्र की नमाज अदा किया। मौसम खुशगवार होने की वजह से रोजेदारों का पहला दिन काफी अच्छा रहा तो वहीं रमजान के पहले दिन रविवार होने के कारण नगर की मस्जिदों में नमाज अदा करने वालों की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली। लोगों ने नमाज के बाद मुल्क में अमन व शांति एवं खुशहाली के लिए दुआएं मांगी।

वाछिंत आरोपी को किया गिरफ्तार

खुटहन, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के कुशल निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे।अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी शाहगंज के पर्यवेक्षण में व प्रभारी निरीक्षक मुन्ना राम के कुशल नेतृत्व में उ0नि0 बच्चू लाल मय हमराह की सहायता से मु0अ0सं0-375/24 धारा 137(2)/87 बी0एन0एस. थाना खुटहन जनपद जौनपुर से सम्बन्धित 01 वाछिंत आरोपी प्रदीप मौर्या पुत्र महेन्द्र मौर्या निवासी ग्राम मुबारकपुर थाना खुटहन जनपद जौनपुर को आज दिनांक-02.03.2025 को पिलकिछा तिराहा के पास से नियमानुसार गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा आरोपी उपरोक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है।

वाराणसी में चौकी इंचार्ज ने छात्रों को बेरहमी से पीटा

वीडियो वायरल, डीसीपी ने चौकी इंचार्ज को किया सस्पेंड

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। लंका थाना क्षेत्र स्थित संकटमोचन पुलिस चौकी में एक पुलिस अधिकारी द्वारा छात्रों की बर्बर पिटाई का वीडियो सामने आया है। वीडियो में चौकी इंचार्ज नवीन चतुर्वेदी छात्रों को बाल पकड़कर जमीन पर गिराते और लाठी से पीटते हुए दिखाई दे रहे हैं। मामला सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए चौकी इंचार्ज को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। घटना संकटमोचन मंदिर के पास स्थित पुलिस चौकी की है। यहां तैनात चौकी इंचार्ज नवीन चतुर्वेदी ने एक छात्र के बाल पकड़कर उसे पटक दिया और बेरहमी से पीटा। छात्र अपनी बेगुनाही की दुहाई देता रहा और बजरंगबली का नाम लेकर छोड़ने की गुहार लगाता रहा। मगर, पुलिस अधिकारी नहीं रुका।इसी तरह एक अन्य छात्र के साथ भी थर्ड डिग्री टॉर्चर किया गया। इस पूरी घटना का किसी ने गुप्त रूप से वीडियो बना लिया।जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।वीडियो में पुलिसिया क्रूरता देखकर लोग भड़क गए और पुलिस प्रशासन पर सवाल उठने लगे। जानकारी के मुताबिक, यह घटना साकेत नगर इलाके में दो छात्र गुटों की झड़प से जुड़ी हुई है। पिछले हफ्ते छात्रों के दो गुटों के बीच विवाद हुआ था। जिसका CCTV फुटेज पुलिस के हाथ लगा। डीसीपी ने लिया संज्ञान, आरोपी अधिकारी सस्पेंड, इस पर कार्रवाई करते हुए चौकी इंचार्ज नवीन चतुर्वेदी ने एक गुट के छात्रों को चौकी बुलाया और उन्हें निर्दयता से पीटना शुरू कर दिया।जैसे ही यह मामला पुलिस के उच्च अधिकारियों तक पहुंचा, काशी जोन के डीसीपी गौरव बंसवाल ने सख्त रुख अपनाते हुए आरोपी चौकी इंचार्ज को निलंबित कर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी पुलिसकर्मी को कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जाएगी और अपने दोषियों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों/वांछितों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के दिशा-निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी मडियाहूँ के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक मडियाहूँ के नेतृत्व में थाना मडियाहूँ पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-74/25 धारा-137(2) बी.एन.एस. से संबंधित वांछित अभियुक्त 1. विवेक उर्फ बच्चन सिंह पुत्र स्व0 ओमप्रकाश सिंह निवासी नहोरा थाना जलालपुर जनपद जौनपुर को त्रिलोचन महादेव मंदिर जलालपुर से गिरफ्तार करते हुए अपहृता की बरामदगी व बयान पीडिता व साक्ष्य संकलन के आधार पर मुकदमा उपरोक्त मे धारा 87/65(1) बीएनएस व 3 पाक्सो एक्ट की बढोत्तरी की गयी।

निजी अस्पतालों मे ईएमआई मरीजों पर पड़ रही भारी

बस्ती (उत्तरशक्ति)। लोन लेकर बनाए गए निजी अस्पतालों की भारी भरकम ईएमआई मरीजों पर भारी पड़ रही है। इसकी भरपाई के लिए मरीजों को अनावश्यक जांच और महंगी दवाओं का खर्च उठाना पड़ रहा है। शहर में कई ऐसे निजी अस्पताल हैं, जो करोड़ों रुपये लोन लेकर बनवाया गया है। उसकी हर माह किस्त डेढ़ से दो लाख रुपये आ रही है। एक निजी डॉक्टर ने बताया कि वह किस्त भरने को लेकर परेशान हैं। कई बार रूटीन का खर्च निकालने के बाद माह की ईएमआई भरने में मुश्किल हो जाती है। पूछने पर बताया कि मरीज से भरपाई कर हर माह की किस्त का प्रबंध किया जाता है। मरीज के पहुंचने पर डॉक्टर फीस, जांच, भर्ती करने का चार्ज और दवाओं आदि का खर्च बढ़ाकर लिया जाता है। अगर यह न किया जाए तो किसी भी माह का किस्त और अन्य खर्च वहन करना मुश्किल हो जाएगा। शहर में दो सौ से अधिक निजी अस्पताल बैंकों से लोन लेकर बनवाया गया है। नर्सिंग होम चलाने वाले एक संचालक ने बताया कि सामान्य हॉस्पिटल का भवन तैयार करने में करीब एक करोड़ रुपये लग जाते हैं। इसके अलावा अगर जांच के लिए मशीनें लगवाई जाएं तो खर्च डेढ़ से दो करोड़ रुपये पहुंच जाता है। अगर कोई डॉक्टर अस्पताल खोलता है तो लोन भी आसानी से मिल जाता है।

संचालक ने बताया कि अस्पताल खुलने के बाद बैंक की प्रति माह की किस्त देना मुश्किल हो जाता है। शुरूआत में मरीज कम आते हैं, इसलिए अस्पताल चलाने में दिक्कत आती है। बाकी खर्चे तो जैसे-तैसे निकल जाते हैं। लेकिन, सबसे बड़ी दिक्कत ईएमआई भरने में आती है। इसलिए, कोशिश यह रहती है कि जो मरीज पहुंचें उनसे अधिकाधिक रुपये निकाले जाएं।

10 से 30 लाख रुपये तक का हर माह खर्च : नाम न छापने की शर्त पर एक निजी अस्पताल के संचालक ने बताया कि अगर कोई डॉक्टर खुद निजी अस्पताल खोलता है तो भी दूसरे डॉक्टरों को हायर करना पड़ता है। एनेस्थीसिया, पैथोलॉजी, रेडियोलॉजिस्ट आदि की जरूरत सभी अस्पतालों को पड़ती है। साथ ही पैरा मेडिकल स्टाफ, सफाई, मेडिसिन स्टोर आदि पर कर्मचारी रखने पड़ते हैं। नंबर लगाने के लिए काउंटर पर भी कम से कम दो कर्मचारी होते हैं। वार्ड में भर्ती मरीज की देखभाल के लिए स्टाफ नर्स और दाई भी रखना अनिवार्य है। इन सबके खर्च को जोड़ दिया जाए हॉस्पिटल की क्षमता के हिसाब से 10 से 30 लाख रुपये तक का हर माह का खर्च फिक्स है। बुखार और पेट में इनफेक्शन के नाम पर थमाए 19 हजार रुपये का बिल :पुरानी बस्ती निवासी विश्वनाथ गुप्ता ने बताया कि उनके पिता को बुखार और पेट में इनफेक्शन की शिकायत थी। एक नामी अस्पताल में उन्हें लेकर गए तो तुरंत भर्ती कर लिया गया। 65 वर्ष के मरीज की एचआईवी से लेकर कैंसर तक की जांच कराई गई। बताया गया कि स्थिति गंभीर है। पांच दिन इलाज के बाद जब उनकी तबीयत और ज्यादा बिगड़ने लगी तो रूम का किराया जोड़कर 19 हजार रुपये बिला जमा करके केजीएमयू लखनऊ ले गए।

बिजली के खंभे से टकराई बाइक, एक युवक की मौत

रायबरेली (उत्तरशक्ति)। यूपी के रायबरेली में शनिवार की रात तेज रफ्तार बाइक बिजली के खंभे से टकरा गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई। जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। घरवालों को सूचना दी। खबर पाकर घरवाले रोते बिलखते पहुंचे।

बताया गया कि चारों युवक बरात जा रहे थे। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। हादसा महराजगंज कोतवाली क्षेत्र के टूक गांव के पास हुआ। पूरे हिंदू मजरे अलाईपुर थाना मोहनगंज जनपद अमेठी निवासी कुलदीप (21), कृपाशंकर (20), नीरज (16) पुत्रगण हरिशचंद्र और विजय (21) पुत्र रामफेर एक ही बाइक पर सवार होकर गांव से शिवगढ़ थाना क्षेत्र के मानपुर बरात जा रहे थे। रास्ते में शिवगढ़ मार्ग पर टूक गांव के पास बाइक अनियंत्रित होकर सड़क के बाईं ओर लगे 33केवी के खंभे से टकरा गई। भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि कुलदीप की मौके पर ही मौत हो गई। अन्य तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। चारों युवकों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां चिकित्सक ने कुलदीप को मृत घोषित कर दिया। अन्य तीन युवकों का प्राथमिक उपचार करके हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि परिजनों को जानकारी दी गई है।

संदिग्ध हालात में खेत में मिला महिला का शव

बाराबंकी। कोठी के आदमपुर गांव के पास सरसों के खेत में शनिवार को संदिग्ध हालात में एक अज्ञात महिला का शव मिला। मृतका की आयु 50 साल के करीब बताई जा रही है। भानमऊ निवासी रामफेर के खेत में नाली किनारे मिले इस शव की सूचना ग्राम प्रधान रामशंकर ने पुलिस को दी। मृतका के बाएं हाथ में टूटी हुई गेहूं की बाली मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सूचना पर पहुंचे सीओ हैदरगढ़ आलोक त्रिपाठी ने बताया कि महिला के पैर में चप्पल थी और उसने पीले रंग की साड़ी पहन रखी थी। पुलिस ने आसपास के गांवों के लोगों को बुलाकर पहचान कराने की कोशिश की लेकिन पहचान कराने में सफलता नहीं मिली। स्थानीय लोगों के अनुसार यह महिला मानसिक रूप से कमजोर थी और पिछले कई दिनों से भानमऊ, आदमपुर, नया पुरवा, भटपुरा, शंभू सराय, असदामऊ, कोठी आदि गांवों में घूम रही थी। पुलिस ने शव को 72 घंटे तक पहचान के लिए पोस्टमार्टम हाउस में रखा है।

मालाड के श्री रामधार बाल उद्यान का सौंदर्यीकरण के उपरांत हुआ लोकार्पण

मुंबई। श्री रामधार बाल उद्यान के सौन्दर्यीकरण के लिए उत्तर मुम्बई के तत्कालीन सांसद रहे जनसेवक गोपाल शेट्टी ने अपनी सांसद निधि उपलब्ध कराई थी। उस निधि से इस उद्यान का आकर्षक सौन्दर्यीकरण किया गया है जिसका उद्घाटन करने के लिए एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में जनसेवक गोपाल शेट्टी ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ विधायक अतुल भातखलकर, विनोद शेलार, प्रमोद मिश्रा, परेश मोहित तथा श्रवण मिश्रा सहित अनेक गणमान्य नागरिक, कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित रहे।

भाजपा नगरसेवक कार्यशाळा भायांदर में संपन

भायंदर। भायंदर उत्तन में रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी की ओर से 2025 का 'इच्छुक नगरसेवकों के लिए एक कार्यशाला' का आयोजन किया गया था। इस कार्यशाला अपर्णा पाटिल सचिव महिला मोर्चा महाराष्ट्र क्षेत्र के रूप में उपस्थित थीं। विषय विशेषज्ञों और अनुभवी राजनीतिक नेताओं ने प्रतिभागियों को विस्तृत मार्गदर्शन दिया कि यदि वे नगरपालिका/नगरपालिका चुनावों का सामना करना चाहते हैं तो व्यापक तैयारी कैसे करें। गुरुजनों ने कौशल विकास, वैचारिक मिलन, कार्यशैली, कार्यप्रणाली, चुनाव प्रबंधन एवं राजनीतिक समझ जैसे कई महत्वपूर्ण एवं मौलिक विषयों पर चर्चा की। कार्यशाला का उद्घाटन वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक धनंजय खाडिलकर ने किया. उन्होंने चुनाव प्रबंधन एवं चुनाव प्रक्रिया एवं तैयारियों पर मार्गदर्शन दिया. सुप्रसिद्ध अभिनेता, लेखक, वक्ता डॉ. दीपक करंजीकर ने संचार और समय प्रबंधन कौशल के विकास पर एक सटीक और स्पष्ट प्रस्तुति दी। निखिल व्यास ने राजनीतिक दल के काम के अपने अनुभव और विषय के गहन अध्ययन के माध्यम से प्रतिभागियों को सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग की सीख दी। नगरपालिका मामलों में अनुभव रखने वाले भालचंद्र शिरासत ने वार्ड के सर्वेक्षण और अध्ययन के बारे में प्रतिभागियों से बातचीत की। अनुभवी नगरसेवक मंदार हल्बे ने प्रतिभागियों से खुलकर बात की और अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करके राजनीतिक क्षेत्र में धैर्य और निरंतरता के महत्व को समझाया। बोरीवली विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजय उपाध्याय ने कहा कि पार्टी निष्ठा, कार्य नीति और सेवा भावना अपरिहार्य कारक हैं और उन्होंने व्यावहारिकता और वास्तविक स्थिति के बारे में जागरूकता का आह्वान किया। समापन सत्र में उत्तर मुंबई भाजपा अध्यक्ष गणेश खांकर ने घोषणापत्र के मुद्दे पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया. मंदार हल्बे एवं गणेश खांकर द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। हम ऐसे अध्ययन और विचार लेकर आ रहे हैं जो न केवल चुनाव लड़ने के लिए, बल्कि राजनीतिक क्षेत्र के साथ-साथ व्यक्तिगत जीवन में भी उपयोगी होंगे।

होली पर प्रयागराज आने वालों के लिए रेलवे का तोहफा, चलेंगी 34 स्पेशल ट्रेनें

प्रयागराज। महाकुंभ समाप्त हुआ तो अब होली की तैयारी शुरू हो गई है। दूसरे राज्यों से प्रयागराज के लिए इस बार भी बड़ी संख्या में विशेष ट्रेनों का संचालन होगा। पहले चरण में 34 ट्रेनों को सूचीबद्ध किया गया है। यह ट्रेनें राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार से चलेंगी। रेलवे ने शनिवार को होली विशेष ट्रेनों की अपनी पहली सूची जारी रहेगा। इन ट्रेनों में यात्रियों को अभी खाली सीटें मिल जाएंगी और वह अपनी सीट आरक्षित करा सकेंगे।

इसमें 01053/01054 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बनारस-लोकमान्य तिलक टर्मिनस द्वि-साप्ताहिक त्योहार विशेष गाड़ी का संचालन लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 12 एवं 13 मार्च, को तथा बनारस से 13 एवं 14 मार्च को प्रयागराज छिवकी के रास्ते होगा। इस ट्रेन में 22 कोच होंगे। इसके अलावा 01123/01124 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-मऊ-लोकमान्य तिलक टर्मिनस द्वि-साप्ताहिक त्योहार विशेष गाड़ी का संचालन लोकमान्य तिलक टर्मिनस से सात, नौ, 14 एवं 16 मार्च को तथा मऊ से नौ, 11, 16 एवं 18 मार्च को होगा। इस ट्रेनों को भी दोनों ओर से छिवकी में ठहराव दिया गया है। 01431/01432 पुणे-गाजीपुर सिटी-पुणे द्वि-साप्ताहिक त्योहार विशेष गाड़ी का संचलन पुणे से सात, 11, 14 एवं 18 मार्च तथा गाजीपुर सिटी से नौ, 13, 16 एवं 20 मार्च को होगा। छिवकी स्टेशन से इस ट्रेन में भी यात्री बैठ सकेंगे। 01705/01706 जबलपुर-दानापुर-जबलपुर एक्सप्रेस होली विशेष ट्रेन का संचालन जबलपुर से 11 मार्च को और दानापुर से 12 मार्च को होगा। इस ट्रेन में 24 कोच हैं। यह ट्रेन भी प्रयागराज छिवके के रास्ते गंतव्य तक जाएगी। 09817/09818 कोटा-दानापुर-कोटा एक्सप्रेस होली विशेष ट्रेन कोटा से आठ व 15 मार्च को जबकि दानापुर से नौ व 16 मार्च को चलेगी। छिवकी में इस ट्रेन को भी दोनों ओर से ठहराव दिया गया है। 01661/01662 रानी कमलापति -दानापुर-रानी कमलापति एक्सप्रेस होली विशेष ट्रेन रानी कमलापति से 12 व 15 मार्च को जबकि दानापुर से 13 व 16 मार्च को चलाई जाएगी। 22 कोच वाली इस ट्रेन में यात्री छिवकी से बैठ व उतर सकेंगे। रेलवे ने जबलपुर से अयोध्या कैंट के लिए छिवकी के रास्ते विशेष ट्रेन की समय सारिणी जारी कर दी है। 01701 विशेष ट्रेन जबलपुर से प्रत्येक बुधवार को 12 मार्च से 26 मार्च

पैलेट ऑफ वंडर्स थीम पर बच्चों ने दी रंगारंग प्रस्तुति

पटना(उत्तरशक्ति)। ऑर्किड पेटल्स स्कूल की राजेंद्र नगर और पटना सिटी स्थित शाखाओं ने अपने वार्षिक दिवस समारोह को बहुत धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम में पैलेट ऑफ वंडर्स थीम पर बच्चों ने दी रंगारंग प्रस्तुति दी जिसे देख दर्शक झूम उठे। छात्रों ने द डे द क्रेयॉन्स क्विट और धरती को स्वच्छ और हरा-भरा रखकर बचाने पर संगीतमय नाटक पर मंत्रमुग्ध कर देने वाले नृत्य और आकर्षक नाटक प्रस्तुत किए। इस अवसर पर स्कूल की प्राचार्या गरिमा धरणीधरका ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में 150 से अधिक बच्चों ने मंच पर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की शुरूआत निदेशक वीनू भरतिया और सरिता मोदी द्वारा दीप प्रज्वलित करने के साथ हुई। छात्रों ने व्हाइट थीम पर स्वागत नृत्य प्रस्तुत करके अतिथियों का स्वागत किया। छात्रों ने ब्लैक एंड व्हाइट रेट्रो डांस प्रस्तुत किया, जिसमें निम्नलिखित छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया - मायरा गुप्ता, शनाया अग्रवाल, एलीशा अग्रवाल, जिया कुमारी और कई अन्य। छात्रों ने नीले और हरे रंग द्वारा दर्शाए गए पृथ्वी पर एक शानदार नाटक प्रस्तुत किया जिसमें रुद्रांश, तेजवंशम अथर्व, आराध्या, न्यारा और वाणी ने मनमोहक प्रदर्शन किया। शाम का मुख्य आकर्षण बच्चों द्वारा प्रस्तुत नाटक द डे द क्रेयॉन्स क्विट था जिसमें रंगों को उनके दैनिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रदर्शित किया गया जिसमें रिधान बांका, शांतनु माधव कृष्ण, रितावी तिवारी, संस्कृति और जिया कुमारी ने अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का समापन शिविन, अक्षंत, आरव, सुदीक्षा, श्रेया और अविका द्वारा रेनबो डांस नामक ऊजार्वान प्रदर्शन से हुआ। कार्यक्रम के अंत में अभिभावकों ने स्कूल के मार्गदर्शन और बच्चों के उल्लेखनीय विकास के लिए स्कूल की सराहना की। स्कूल निदेशक ज्योति टिबरेवाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

स्टेशन पर घंटों फंसी रांची एक्सप्रेस, भूख-प्यास से बेहाल यात्रि

बाराबंकी(उत्तरशक्ति)। बाराबंकी रेलवे स्टेशन पर सोमवार को अफरा-तफरी मच गई जब लोकमान्य तिलक टर्मिनस-रांची एक्सप्रेस (18610) को आगे का सिग्नल नहीं मिला और ट्रेन घंटों खड़ी रह गई। पहले ही दो दिन से भूखे-प्यासे यात्री परेशान थे, ऐसे में जब ट्रेन बिना किसी सूचना के बाराबंकी में रोक दी गई, तो गुस्सा फूट पड़ा। यात्रियों ने रेलवे ट्रैक पर उतरकर जमकर हंगामा किया और विरोध प्रदर्शन किया।मुंबई से रांची जाने वाली यह ट्रेन आमतौर पर इटारसी से बनारस होकर रांची जाती है, लेकिन रविवार को रेलवे ने इसे अचानक लखनऊ और बाराबंकी रूट पर डायवर्ट कर दिया। लखनऊ से यह ट्रेन बाराबंकी पहुंची, लेकिन उत्तर पूर्व रेलवे ने इसे आगे सिग्नल ही नहीं दिया। इससे ट्रेन स्टेशन पर फंसी रह गई और यात्री बेहाल हो गए। ट्रेन में न तो खाने-पीने की सुविधा थी, न ही कोई अन्य इंतजाम। छोटे बच्चे भूख से बिलखने लगे, महिलाएं परेशान रहीं, आखिरकार यात्री गाड़ी से नीचे उतर आए और रेलवे ट्रैक पर खड़े होकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। यात्री नरेंद्र सिंह ने बताया, दो दिन से ट्रेन में सफर कर रहे हैं, लेकिन रेलवे ने कोई इंतजाम नहीं किया। बाराबंकी में घंटों रोक दिया गया, बच्चे भूख से तड़प रहे थे। रेलवे को यात्रियों की कोई परवाह नहीं है। बाराबंकी रेलवे स्टेशन पर बढ़ते हंगामे को देखकर रेलवे प्रशासन और सुरक्षा बलों के हाथ-पांव फूल गए। आनन-फानन आरपीएफ और जीआरपी के जवान मौके पर पहुंचे और यात्रियों को शांत कराने की कोशिश की लेकिन नाराज यात्रियों का गुस्सा शांत नहीं हुआ। काफी मशक्कत के बाद ट्रेन रवाना हुई।

आजमगढ़ में 11 फर्जी मदरसा संचालक के खिलाफ दर्ज हुआ मुकदमा

आजमगढ़। जिले में धड़ल्ले से चल रहे अवैध मदरसों संचालकों पर कार्रवाई तेज हो गई है। रविवार तक जिले के विभिन्न थानों में कुल 11 संचालकों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई आर्थिक अपराध शाखा के निरीक्षक कुंवर ब्रह्मप्रकाश सिंह की तहरीर पर की गई है। तहरीर के अनुसार, जनवरी 2023 में शासन की ओर जिले में संचालित मदरसे, जो सरकार से अनुदान ले रहे है, उनकी जांच करने का जिम्मा इओडब्ल्यू को दिया गया था। जांच में कुल में 313 मदरसे संचालित है, जिसमें से 219 का अस्तित्व ही नहीं है। जांच के बाद इन मदरसा संचालकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है। मालूम हो कि एक सप्ताह पूर्व आर्थिक अपराध शाखा (इओडब्ल्यू) की टीम अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के कार्यालय पहुंची थी और इन मदरसों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए तहरीर तैयार की थी। विशेष जांच दल (एसआइटी) ने अभिलेखों के आधार पर मदरसों के खिलाफ कार्रवाई करने की अनुशंसा की है। मदरसा के पोर्टल पर क्षेत्र में संचालित 313 मदरसे का पूरा ब्योरा आनलाइन अपलोड की गई है। जबकि मौके पर जांच करने पहुंची टीम को कोई भी मदरसा संचालित होते नहीं मिला। इसके साथ ही छात्रों की संख्या में भी काफी अंतर हैं। लखनऊ एसआइटी की जांच में मदरसा प्रबंधकों ने पोर्टल पर मिथ्या सूचनाएं अपलोड की हैं। मान्यता एवं सेवा नियमावली अरबी और फारसी मदरसा उप्र नियमावली 1987 में उल्लिखित भवन संबंधी शर्तों, छात्र संख्या संबंधी शर्तों व अन्य सभी मान्यता संबंधी शर्तों का उल्लंघन किया गया है। इस प्रकार के अस्तित्वहीन मदरसों को मान्यता प्रदान करने वाले और मदरसा आधुनिकीकरण योजना के तहत भुगतान प्रदान करके शासकीय धन का गबन करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। एसआइटी की मानें तो मुकदमों की संख्या में और इजाफा होने की संभावना है। एएसपी ग्रामीण चिराग जैन के अनुसार, इओडब्ल्यू के इंस्पेक्टर कुंवर ब्रह्मप्रकाश ने जिले के विभिन्न थानों में तहरीर दी है, जिसके आधार पर अब तक अलग-अलग थानों में 11 मदरसा संचालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा चुका है। तहरीर मिलने पर आगे भी कार्रवाई की जाएगी।

राजनीतिक भागीदारी जब तक नहीं होगी तब तक विश्वकर्मा समाज का हनन होते रहेगा : मुकुल

राजगीर(उत्तरशक्ति)। अप्रैल 2025 में होनेवाली विश्वकर्मा एकता महारैली के सफल आयोजन के लिए रविवार को राजगीर स्थित विश्वकर्मा मंदिर में भारतीय विश्वकर्मा महासंघ के द्वारा कार्यकर्ता सह जन संवाद सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामदेव शर्मा जबकि अतिथियों का स्वागत अधिवक्ता सकलदीप शर्मा, अनुज शर्मा एवं संचालन संदीप शर्मा ने की। इस सम्मेलन में सैकड़ों विश्वकर्मा बंधुओं शामिल होकर अपनी एकजुटता का परिचय दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित भारतीय विश्वकर्मा महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकुल आनंद विश्वकर्मा ने कहा विश्वकर्मा समाज आजादी के इतने वर्षों के उपरांत भी सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक हर क्षेत्र में उपेक्षित है। उन्होंने कहा विश्वकर्मा समाज के लोगों की राजनीतिक भागीदारी जब तक नहीं होगी तब तक विश्वकर्मा समाज की हक अधिकार का हनन होते रहेगा। इसलिए हम लोग मिशन 2025 विश्वकर्मा एकता महारैली के सफल आयोजन को लेकर संगठन को मजबूत करने के लिए एक जुट हो जाए और सत्ता संघर्ष की ओर बढ़े। विश्वकर्मा समाज अब इस अपमान को बर्दाश्त नहीं करेगा। राजनीतिक भागीदारी नहीं बल्कि अब सत्ता के लिए लड़ाई होगी। उन्होंने कहा इसलिए गांधी मैदान को पूरा खचाखच भरकर एकता का परिचय दें विश्वकर्मा वंशज। वहीं जिला अध्यक्ष रामदेव शर्मा अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि विश्वकर्मा समाज कई वर्षों से रैली और कार्यक्रम के माध्यम से समाज की दशा एवं दिशा का संज्ञान लगातार सभी राजनीतिक दलों को देते रहा है इन सभी राजनीतिक दलों ने विश्वकर्मा समाज को कभी तवज्जो नहीं दिया। इसलिए अगले चुनाव में हर सीट पर अपने समाज के उम्मीदवार खड़े करके उन्हें जिताने का काम करेंगे। उन्होंने समाज के लोगों से संगठित होने की अपील की।

पैमाइश कर लौट रहे सदर तहसील लेखपाल पर जानलेवा हमला

गोंडा (उत्तरशक्ति)। सदर तहसील के खिरई-खिरवा में रविवार को एसडीएम के आदेश पर तालाब व नवीन परती की जमीन की पैमाइश कर लौट रहे लेखपाल को घेरकर बाइक सवारों ने मोतीगंज के शिवनगर रेलवे क्रासिंग के पास हमला कर दिया। इस दौरान लेखपाल ने फायरिंग का भी आरोप लगाया है।

उनके नाक, हाथ व सिर पर गंभीर चोटें आई है। वहीं, बाइक सवार आरोपी वहां से भाग निकले। सूचना पर आई मोतीगंज पुलिस ने छानबीन शुरू की है साथ ही फायरिंग के आरोपों से इंकार किया है। पीड़ित लेखपाल आत्माराम वर्मा ने बताया कि खिरई-खिरवा निवासी पंकज मिश्र ने समाधान दिवस में अधिकारियों से तालाब व नवीन परती की जमीन पर कब्जे की शिकायत की थी। रविवार को एसडीएम सदर के आदेश पर राजस्व निरीक्षक मलारी मो. अकलीम, पिपरा भिटौरा लेखपाल नागेंद्र प्रताप और कहोबा चौकी के दो सिपाही के साथ पैमाइश के लिए गए थे। वहां वापस लौटते समय शिवनगर रेलवे क्रासिंग के पास दो बाइकों पर सवार होकर पांच युवकों ने उनकी कार घेरकर रोक लिया। साथ ही घसीटकर उनकी पिटाई शुरू कर दी।

उनके साथी लेखपाल नागेंद्र प्रताप जब तक कुछ समझ पाते इससे पहले उन्हें लहूलुहान कर दिया। इसके बाद हमलावर बरूआचक रेलवे स्टेशन की ओर भाग निकले। लेखपाल ने बताया कि मुकीम नाम के व्यक्ति की पहचान की है। जबकि मुंह में नकाब पहने होने की वजह से अन्य की पहचान नहीं कर सके। आनन-फानन पुलिस कंट्रोल रूम के साथ ही अधिकारियों को घटना की जानकारी दी है। आरोप लगाया कि इस दौरान हमलावरों ने फायरिंग भी की। हालांकि वह बाल-बाल बच गए। वहां सूचना पर आईं मोतीगंज प्रभारी निरीक्षक अनीता यादव ने बताया कि फायरिंग की पुष्टि नहीं हो सकी है। लेखपाल के नाक, हाथ व सिर पर चोटें आई है।

उन्हें इलाज के लिए बूढ़ादेवर सीएचसी भेजा गया है। लेखपाल की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट की जा रही है। वहीं, आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगाई गई है। सदर तहसील लेखपाल संघ मंत्री आत्मराम वर्मा पर हमले के बाद वहां राजस्व कर्मियों ने पहुंचकर हालचाल लिया है। साथ ही कानून-व्यवस्था नाराजगी जताई है। वहीं, सूचना के बाद तहसीलदार सदर रंजन वर्मा ने भी जानकारी ली है। साथ ही बूढ़ादेवर सीएचसी पहुंचकर हालचाल लिया है।

अटल आवासीय विद्यालय में कक्षा छह व नौ के लिए हुई प्रवेश परीक्षा, 136 अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित

अलीगढ़(उत्तरशक्ति)। अटल आवासीय विद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा छह और नौ में 140-140 सीटों (70 बालक व 70 बालिकाओं) पर प्रवेश के लिए अलीगढ़, हाथरस, एटा व कासगंज के कक्षा छह में 800, कक्षा नौ में 539 समेत 1339 परीक्षार्थी को आवेदन सही मिले। इनकी प्रवेश परीक्षा अलीगढ़ के नौरंगीलाल राजकीय इंटर कॉलेज, क्रिश्चियन एग्रीकल्चर इंटर कालेज, आगरा रोड एटा, पीबीएस इंका. बागला कॉलेज मार्ग हाथरस और जीजीआईसी तहसील रोड कासगंज में हुई। अटल आवासीय विद्यालय में कक्षा छह व नौ के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन अलीगढ़ के नौरंगीलाल राजकीय इंटर कॉलेज में किया गया। कक्षा छह के 259 में से 247 ने परीक्षा दी। कक्षा नौ में 198 में से 184 उपस्थित रहे। प्रवेश परीक्षा में 26 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। अटल आवासीय विद्यालय गभाना के प्रधानाचार्य रोहित सारस्वत ने बताया कि परीक्षा सुबह 11 बजे से अपराह्न 1 बजे तक हुई। अलीगढ़ के नौरंगीलाल राजकीय इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य रविंद्र पाल सिंह तौमर की उपस्थिति में परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हुई। प्रवेश परीक्षा में कक्षा छह के लिए पात्र अभ्यर्थियों की संख्या 259 में से 18 और कक्षा नौ के लिए पात्र अभ्यर्थियों की संख्या 198 में से 14 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे । परीक्षा के बाद सभी अभ्यर्थियों को फल और स्नेक्स अटल आवासीय विद्यालय टमकौली अलीगढ़ की ओर से उपलब्ध कराए गए। प्रवेश परीक्षा के दौरान उपश्रमायुक्त सियाराम, सहायक श्रमायुक्त शेर सिंह, अटल आवासीय विद्यालय टमकौली के प्रधानाचार्य रोहित सारस्वत व प्रशासनिक अधिकारी कैप्टन संजेश कुमार यादव मौजूद रहे। हाथरस में पीबीएस इंटर कॉलेज में प्रवेश परीक्षा हुई। कक्षा छह के 226 में से 198 और कक्षा नौ के 152 में से 127 उपस्थित रहे। 53 बच्चे अनुपस्थित रहे। एटा में क्रिश्चियन एग्रीकल्चर इंटर कालेज में परीक्षा हुई। कक्षा छह के 173 में से 154 और कक्षा नौ के 118 में से 101 उपस्थित रहे। 36 बच्चे अनुपस्थित रहे।